

//-- सुविचार --//

गुर्रसे के वक्त थोड़ा रुक जाने से,
और गलती के वक्त थोड़ा झुक जाने से,
जिंदगी आसान हो जाती है....!!

सूचोदय

उदय : 5.15 प्रातः
अस्त : 6.34 संध्या

प्रदेश का मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	27.0	23.0
जमशेदपुर	31.0	26.0
रामगढ़	33.1	25.5
डालटनगंज	35.0	26.0

दैनिक

आदित्यन तमसः परस्वामि

प्रदेश के साथ पूरा देश...

हरियाणा

नौरज ने 19 साल बाद भारत को दिलाया पदक

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप

अंदर के पृष्ठों पर

3 | राजधानी

5 | झारखंड

6 | अभिव्यक्ति

7 | झारखंड

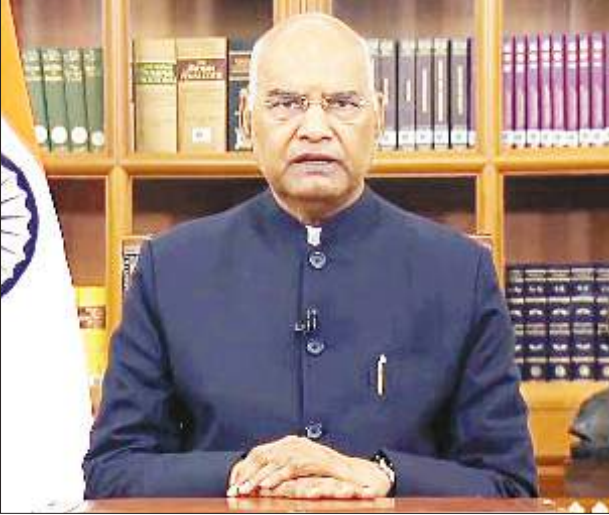
रांची, सोनवार, 25 जुलाई 2022, श्रावण कृष्ण पक्ष द्वादशी, विक्रम संवत- 2079 वर्ष-08 अंक-102 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये

रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्र के नाम अपने विदाई संबोधन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविद ने कहा हमारा देश 21वीं सदी को भारत की सदी बनाने के लिए हो रहा है सक्षम

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने दृढ़ विश्वास के साथ कहा कि हमारा देश 21वीं सदी को भारत की सदी बनाने के लिए सक्षम हो रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 युवा भारतीयों को अपनी विरासत से जोड़ने और 21वीं सदी में अपने पैर पसारने में काफी मदद करेगी।

राष्ट्रपति कोविंद ने रविवार को राष्ट्र के नाम अपने विदाई संबोधन में जलवायु संकट का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रकृति मां गहरी पीड़ा में है। जलवायु संकट इस ग्रह के भविष्य को खतरे में डाल सकता है। जलवायु परिवर्तन का संकट हमारी धरती के भविष्य के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। हमें अपने बच्चों की खातिर अपने पर्यावरण, अपनी जमीन, हवा और पानी का संरक्षण करना चाहिए। अपने दैनिक जीवन और नियमित विकल्पों में, हमें प्रकृति के साथ-साथ अन्य सभी जीवित प्राणियों की रक्षा के लिए अधिक सावधान रहना चाहिए। राष्ट्रपति ने देशवासियों और जनप्रतिनिधियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि पांच साल पहले आपने मुझ पर अपना विश्वास जताया और मुझे राष्ट्रपति के रूप में चुना। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान समाज के सभी वर्गों से पूर्ण सहयोग, समर्थन और आशीर्वाद मिला। उन्होंने कहा, 'कानपुर देहात जिले के परैख गांव के अति साधारण परिवार में पला-बढ़ा रामनाथ कोविन्द आज आप सभी देशवासियों को संबोधित कर रहा है। इसके लिए मैं अपने देश की जीवंत लोकतांत्रिक व्यवस्था की शक्ति को शत-शत नमन करता हूं।'



राष्ट्रहित में दलगत राजनीति से ऊपर उठें राजनीतिक दल

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को नागरिकों से विरोध व्यक्त करने और अपनी मांगों को आगे बढ़ाने के लिए गांधीवादी तरीकों को अपनाने की अपील की। उन्होंने राजनीतिक दलों से राष्ट्रीय हित में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर लोगों के कल्याण के लिए जरूरी चीजों पर गंभीरता पूर्वक विचार करने का आह्वान किया। संसद के सेंट्रल हॉल में अपने विदाई भाषण में सांसदों को संबोधित करते हुए कोविंद ने भारतीय संसदीय प्रणाली की तुलना एक बड़े परिवार से की और सभी पारिवारिक मतभेदों को हल करने के लिए शांति, सद्भाव और संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। कोविंद के विदाई समारोह में उपराष्ट्रपति एम. वैकेया नायडू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा कई सांसद शामिल हुए।

छपरा में पटाखा कारोबारी के घर में विस्फोट एक परिवार के छह सदस्यों की मौत



पटना/छपरा : बिहार में छपरा के नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत खेड़ा स्थित मस्जिद के पास पटाखा कारोबारी रियाज मियां के घर में विस्फोट होने के बाद पूरा मकान ढह गया। इस धमाके में छह लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। मरने वाले सभी एक ही परिवार के हैं। घटनास्थल पर मलबे को हटाने का काम जारी है।

पुलिस के मुताबिक खैरा थाना के खोवाईबाग बाजार गांव में हुए बम विस्फोट मामले में एक ही परिवार के छह लोग की मौत हो गयी। मृतकों में 35 वर्षीय मोलाजिम अली, 30 वर्षीय शबाना

खातून, 62 वर्षीय अमीना खातून, 22 वर्षीय सावीर, 20 वर्षीय यासमीन, पांच वर्षीय शहजाद हैं। इन छह की पुष्टि जिला प्रशासन ने की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस हादसे की जांच-पड़ताल कर रही है। घटनास्थल पर छपरा सदर के एसडीपीओ मुनेश्वर प्रसाद सिंह, बलवाड़ा के एसडीपीओ इंद्रजीत बैठा, इंस्पेक्टर मंजू कुमारी खैरा थाना अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी एवं फायर ब्रिगेड की टीम सहित कई थाने की पुलिस पहुंची है।

सियासत.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के इन मंत्रियों के बयान के पर छिड़ी बहस

भाजपा के कांग्रेस मुक्त भारत के सपने के विपरीत बयान

नयी दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कांग्रेस और नेहरू को लेकर जो बयान दिया, वह गौर करने वाला है। कारगिल दिवस के मौके पर राजनाथ सिंह जम्मू में थे। ये कार्यक्रम था उन भारतीय जांबाजों की वीरता, शहादत और साहत को नमन करने का, जिन्होंने असंभव को संभव कर दिया था। मगर इस कार्यक्रम में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को लेकर राजनाथ सिंह ने जो बयान दिया, उस पर बहस छिड़ी हुई है। भाजपा का सपना कांग्रेस मुक्त भारत का है। भाजपा इस मिशन में काफी आगे भी बढ़ती जा रही है। मगर उसी कांग्रेस के लिए भाजपा के दिग्गज नेताओं का दिल भी पसीज रहा है। अब यहां पर लोग असमंजस में पड़े हुए हैं।द्व एक ओर भाजपा कांग्रेस और नेहरू की नीतियों की आलोचना करती है तो दूसरी ओर बड़े मंत्रियों के बयान उसके विपरीत आ रहे हैं। दरअसल, जम्मू कश्मीर में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे राजनाथ सिंह ने 1962 में चीन की कार्रवाई का जिक्र करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि बहुत सारे लोग जवाहर लाल नेहरू की आलोचना करते हैं। मैं भी एक विशेष राजनैतिक दल से आता हूं, मैं भारत के किसी भी प्रधानमंत्री के आलोचना नहीं करना चाहता।



नितिन गडकरी ने भी दिया था कांग्रेस को लेकर बयान

कुछ ही दिनों पहले केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी कुछ ऐसा ही बयान दिया। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि लोकतंत्र के लिए कांग्रेस का मजबूत होना जरूरी है। लगातार चुनावों में हारने वाली कांग्रेस फिर मजबूत बने और पार्टी के नेता निराश होकर पार्टी ना छोड़ें। यही मेरी इच्छा है। कांग्रेस पार्टी कमजोर हो रही है, इसलिए देश की मुख्य विपक्षी पार्टी की जगह लेने के लिए क्षेत्रीय पार्टियां आगे आ रही हैं। देश के लिए यह शुभ लक्षण नहीं है। उन्होंने कहा, जिनका कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास है, उनका विश्वास डगमगाना नहीं चाहिए। उन्हें पार्टी के साथ पूरी मजबूती से खड़े रहना चाहिए। हार से हताश होने की बजाए काम करते रहें। हार है आज तभी कल हो सकती जीत है। अब राजनाथ सिंह ने उसी से मिलता-जुलता बयान दिया है।

द्रौपदी मुर्मू आज लेंगी राष्ट्रपति पद की शपथ

नयी दिल्ली : नव-निर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद की शपथ लेंगी। शपथग्रहण के बाद उन्हें 21 तोपों की सलामी दी जाएगी। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने रविवार को जारी अधिसूचना में कहा कि नव-निर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रपति पद ग्रहण समारोह सोमवार, 25 अप्रैल को सुबह 10:15 बजे संसद भवन के केन्द्रीय सभागार में होगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन्ना उन्हें राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाएंगे। इस समारोह में उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति एम वैकेया नायडू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारत के मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मंत्रिपरिषद के सदस्य, राज्यपालगण, मुख्यमंत्रीगण, राजनयिक मिशनों के प्रमुख, संसद सदस्यगण और सरकार के प्रमुख नागरिक और सैन्य अधिकारी शामिल होंगे। संविधान के अनुच्छेद 60 के अनुरूप नव-निर्वाचित राष्ट्रपति द्वारा अपने पद की शपथ भारत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष ली जाएगी। उसके बाद 21 तोपों की सलामी दी जाएगी। इसके बाद राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा।

लापुंग में दुष्कर्म के बाद नाबालिग छात्रा की हत्या

● ग्रामीण एसपी नौशाद आलम पहुंचे घटना स्थल

उसके खेत में शनिवार को धान रोपनी हो रही थी। उनकी दोनों बेटियां धान रोपनी कर रही थीं, जबकि वह स्वयं मर्दईत के तहत दूसरे का काम कर रहे थे। मां भी दूसरे के खेत में बिचड़ा तैयार कर रही थी। देर शाम तक मां, पिता और परिवार के सभी लोग लौट गये, लेकिन बड़ी बेटी वापस घर नहीं लौटी। तब परिवार वाले बेटी की खोज में इधर उधर भटकने लगे। तभी गांव से पूरब की ओर सुतिया ढोड़हा नाला के पास खेत के रास्ते में रूगड़ी टांड के पास उनकी बेटी का शव पड़ा हुआ मिला। उसके



नाबालिग के घर पहुंची मुखिया मेरी होरो व अन्य ।



गांव वालों से पूछताछ करते ग्रामीण एसपी नौशाद आलम।

चेहरे और गले में चोट के गंभीर निशान मिले। उसके साथ दुष्कर्म होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। दुष्कर्म की घटना को छुपाने के नियत से अज्ञात अपराधकर्मियों ने गला दबाकर और पत्थर से कुछ कर उसकी हत्या कर दी। बड़ी बेटी का शव मिलते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया।

घटना की सूचना मिलने पर रांची के ग्रामीण एसपी नौशाद आलम घटनास्थल पहुंचे और मामले की जानकारी ली। ग्रामीण एसपी ने गांव वालों से भी पूछताछ की तथा मृतका के परिजनों को ढाढस बंधाया और जल्द ही हत्यारों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। घटना की जांच के लिए डॉग स्क्वाड टीम और फॉरेंसिक टीम भी पहुंची थी।

नौरज ने 19 साल बाद भारत को दिलाया पदक

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप

अंदर के पृष्ठों पर

3 | राजधानी

5 | झारखंड

6 | अभिव्यक्ति

7 | झारखंड

रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित

सीएम हेमंत ने द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की, दी बधाई

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को देश की नवनिर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी से उनके दिल्ली स्थित आवास में मुलाकात की। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी। इस दौरान राष्ट्रपति ने काफी देर तक बात की।

द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत ने उन्हें ट्वीट कर बधाई दी थी। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि भारत की पहली आदिवासी राष्ट्रपति बनकर इतिहास रच दिया। देश की पहली आदिवासी राष्ट्रपति बनने पर द्रौपदी मुर्मू को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।



भगवान बिरसा मुंडा और अमर शहीद सिद्धो-काहू की वीर भूमि तथा समस्त झारखण्डवासियों की ओर से आपको जोहार। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री 23 जुलाई

को झारखंड की नयी पर्यटन नीति की लॉन्चिंग कार्यक्रम को लेकर दिल्ली गये थे और संभवतः 25 जुलाई को द्रौपदी मुर्मू के शपथ ग्रहण में भी शामिल होंगे।

पीएम मोदी ने की भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों संग बैठक

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुजरात समेत कई राज्यों के विधानसभा के आगामी चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। इसको लेकर केन्द्रीय मुख्यालय पर रविवार को पार्टी के मुख्यमंत्री परिषद की बैठक हुई। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद रहे। बैठक में भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कल्याणकारी योजनाओं सहित अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। पार्टी



गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित अन्य मुख्यमंत्रियों एवं उप मुख्यमंत्रियों ने भाग लिया।

के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से बैठक की तस्वीरें भी साझा की गईं।

बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा,

मुख्य न्यायाधीश की प्रोफाइल फोटो लगा डेढ़ लाख की ठगी

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में पदस्थापित सेंट्रल को-ऑर्डिनेटर राजीव कुमार सिन्हा से साइबर अपराधियों ने मुख्य न्यायाधीश की प्रोफाइल फोटो लगाकर डेढ़ लाख रुपए ठगी की है। इस संबंध में राजीव सिन्हा की ओर से रांची के डोरंडा थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। प्राथमिकी के अनुसार 19 जुलाई की शाम पांच बज कर 41 मिनट पर उनके ऑफिस वाले मोबाइल नंबर पर एक नंबर से मिस कॉल आया, जिसमें मुख्य न्यायाधीश की प्रोफाइल फोटो लगा था। इसके बाद राजीव कुमार सिन्हा ने उक्त नंबर पर व्हाट्सएप कॉल किया, जिसे उठाया नहीं गया। उसके बाद तुरंत उसी नंबर से लगातार व्हाट्सएप संदेश आने लगे, जिसमें अपने आप को आवश्यक मीटिंग में काफी व्यस्त रहने और काफी कम कॉल उठाने की बात कही गयी। साथ ही उन्हें मैसेज भेज यह भी कहा गया कि वे व्यस्त हैं, फिर अमेजॉन पर 10,000 रुपये के 15 गिफ्ट कार्ड खरीदने का एक संदेश उन्हें मिला। इससे राजीव सिन्हा को लगा कि उक्त निर्देश मुख्य न्यायाधीश का है, इसलिए उन्होंने अमेजन पर

10-10 हजार के 15 गिफ्ट कार्ड खरीदने का आर्डर किया। इसके लिए राजीव सिन्हा ने अपने एसबीआई बचत खाता से डेढ़ लाख रुपये इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान भी कर दिया। भुगतान के बाद आप सभी 15 लिंक की सूचना उन्होंने उक्त नंबर के व्हाट्सएप पर भेज दी। जब दोबारा उसी नंबर से दस हजार, दस हजार रुपए के 50 और गिफ्ट कार्ड खरीदने का अनुरोध उनके मोबाइल पर आया, तब उन्हें शंका हुई। इसके बाद राजीव सिन्हा ने टूकॉलर से उक्त नंबर को चेक किया, जिसमें उन्हें उक्त नंबर किसी और के नाम पर रजिस्टर्ड मिला। इसके बाद राजीव कुमार सिन्हा ने उक्त जानकारी एसएसपी रांची को दी। एसएसपी ने तुरंत साइबर सेल को एफआईआर की कॉपी देते हुए डोरंडा थाने में एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिया। डोरंडा थाने में उक्त नंबर के विरुद्ध धोखाधड़ी की प्राथमिकी दर्ज की गयी है। इस मामले में भादवि की धारा 419, 420 और आईटी एक्ट 66 सी और 66 डी के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है। मामले का अनुसंधान पुलिस कर रही है।

जम्मू-कश्मीर में कारगिल दिवस के मौके पर बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

चीन के लिए नेहरू दोषी नहीं

जम्मू : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को जम्मू-कश्मीर में कारगिल दिवस के मौके पर भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू को लेकर बड़ा बयान दिया है। 1962 में चीन की कार्रवाई का जिक्र करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि बहुत सारे लोग जवाहर लाल नेहरू को लेकर बड़ा बयान देते हैं। मैं भी एक विशेष राजनैतिक दल से आता हूं, मैं भारत के किसी भी प्रधानमंत्री की आलोचना नहीं करना चाहता। साथ ही मैं किसी भी प्रधानमंत्री की नीयत पर सवालिया निशान नहीं लगाना चाहता। उन्होंने कहा कि नीयत में किसी की खोट नहीं हो सकती है। सिंह ने कहा कि आज भारत रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज भारत बोलता है तो दुनिया सुनती है।



एक गैरजरूरी कानूनी बाधा की संज्ञा देते हुए रक्षामंत्री ने कहा कि इसके हटने से जम्मू कश्मीर के लोगों और विशेषकर युवाओं के लिए उम्मीद और आशा की एक नयी सुबह ने आंखें खोली हैं। इस फैसले से लोगों के कल्याण के कई रास्ते खुल गये हैं और केंद्र शासित प्रदेश में अब और तेजी से विकास हो रहा है। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के नेतृत्व वाली सरकार राष्ट्रहितों को सुरक्षित करना चाहती है और इसी क्रम में आत्मनिर्भर रक्षातंत्र विकसित किये जाने को लेकर सरकार ने एक के बाद एक कई कदम उठाये हैं। इसके कारण देश में ही उच्चक्षमता के हथियारों के विकास को बढ़ावा मिला है जिनकी मदद से हमारी सेना किसी भी प्रकार का युद्ध लड़ सकती है।

झारखंड प्रदेश युवा जदयू का प्रदेश कार्यकर्ता मिलन समारोह

समन्वय बना कर संगठन को मजबूत करें : श्रवण

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : सेक्टर 2 स्थित विधानसभा के सभागार में झारखंड प्रदेश युवा जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश स्तरीय कार्यकर्ताों मिलन समारोह सम्पन्न हुआ इस मिलन समारोह की अध्यक्षता युवा जदयू के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष निर्मल कुमार सिंह ने किया। इस सम्मेलन मे मुख्य रूप से बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री सह झारखंड जदयू प्रभारी श्रवण कुमार, राज्यसभा सांसद सह प्रदेश अध्यक्ष झारखंड जदयू खीरू महतो, युवा जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार जी शामिल हुए।

इस राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि युवा संगठन का रीढ़ होता है। युवा अपनी ताकत संगठन को मजबूत करने में लगायें। एकजुटता के साथ समन्वय बना



कर काम करें तो झारखंड में पार्टी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा सकती है।

हर विंग में सामंजस्य

बने : खीरू महतो

राज्यसभा सांसद सह प्रदेश

अध्यक्ष झारखंड जदयू खीरू महतो ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के लिए पार्टी के हर विंग के साथ सामंजस्य बना कर चलना होगा। सभी को पार्टी के निति सिद्धांत के अनुसार और अनुशासन

के साथ काम करना होगा ताकि पार्टी का ग्राफ बढे और पार्टी कार्यकर्ता अपने-आप को गौरवान्वित महसूस कर सके। सदस्यता अभियान का ईमानदारी से चलाना होगा। प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जल्द किया जाएगा।

संगठन को मजबूत कर रहे युवा : संजय कुमार

युवा जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार ने कहा कि पूरे देश में नीतीश कुमार के विचारों से प्रभावित होकर लोग जदयू का दामन थाम रहे हैं। युवा वर्ग संगठन की मजबूती के लिए काम कर रहे हैं। नीतीश के विकास कार्यों का अनुसरण कर रहे हैं। महिलाओं को जो नीतीश सरकार ने सम्मान दिया है, हमारे युवा झारखंड में भी आप सरकार से मांग रखिये। आप को मुलभूत समस्याओं को लेकर मुखर होना पड़ेगा। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के उत्थान के लिए काम करें। झारखंड युवा जदयू के प्रदेश अध्यक्ष निर्मल कुमार ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए हम लोग प्रखंड, पंचायत, जिला स्तर पर कार्य कर रहे हैं।

बैठक में ये रहे शामिल

बैठक में मुख्य रूप से कुणाल अग्रवाल, अमन कुमार, अभिनव कुमार, त्रिनेत कुमार, इंजीनियर राजन, डॉ आफताब जमील, श्रवण कुमार, भगवान् सिंह, जफर कमाल, संजय कुमार सिंह, सागर कुमार, मनोज कुमार सिंहा, रमाकांत मंडल, राम स्वरूप यादव, पिंटू कुमार सिंह, आशा शर्मा, राजीव रंजन सिंह, उपेन्द्र नारायण सिंह, रामजी प्रसाद, अजय कुमार, शीतल सिंहा, अमर सिंह यादव, प्रीति राय, सुजीत वर्मा, रविशर रंजन, रूपेश पासवान, प्रदीप, बिट्टू दुबे, रजक, महादेव पासवान, प्रमोद राउत, ब्रह्मदेव महतो, सम्मेलन को संबोधित किया।

झारखंड में अगले पांच दिनों तक अच्छी बारिश की उम्मीद

►अल्पवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : झारखंड में अगले पांच दिनों तक अच्छी बारिश की उम्मीद है, जिसके कारण अल्पवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में थोड़ों में किसानों को थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।रांचीस्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान में बताया गया है कि राज्य के 11 जिले बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, हजारीबाग, जामताड़ा, कोडरमा, रामगढ़, खुटी, रांची, सरायकेला खरसावां और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में मेघ गर्जन के साथ वज्रपात की प्रबल आशंका है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि पिछले 24 घंटे में राज्य के कई स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई है. सबसे अधिक वर्षा साहिबगंज के बोरियो में 27.2मिलीमीटर रिकॉर्ड किया गया है, पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान 38 डिग्री सेल्सियस गोड्डा जिले का रिकॉर्ड किया गया है।जबकि सबसे कम 23 डिग्री सेल्सियस रांची के रहा। अगले पांच दिन का मौसम पूर्वानुमानरू वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार अगले पांच दिनों तक राज्य के अलग अलग क्षेत्रों में हल्की से मध्यम दर्जे

की बारिश की संभावना है. इस दौरान कहीं कहीं मेघ गर्जन के साथ वज्रपात की भी संभावना व्यक्त की गई है। मौसम केंद्र रांची से जारी मॉनसून की अपडेट रिपोर्ट के अनुसार अभी भी राज्य में सामान्य से 50 प्रतिशत कम बारिश हुई है. 23 जुलाई तक राज्य में सामान्य औसत बारिश 434.7 मिलीमीटर की जगह 215.9डब्लू बारिश ही अब तक हुई है। राज्य के 24 में से दो जिले पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम को छोड़ दें तो बाकी 22 जिलों में कम बारिश से स्थिति बेहद खराब है. उसमें से भी 16 जिले ऐसे हैं जहां सामान्य से 50प्रतिशत या उससे अधिक कम बारिश हुई है. साहिबगंज में सामान्य से 80 प्रतिशत कम, पाकुड़ में सामान्य से 75 प्रतिशत कम, दुमका में सामान्य से 60 प्रतिशत कम, जामताड़ा में सामान्य से 74 प्रतिशत कम, चतरा में सामान्य से 79 प्रतिशत कम, गढ़वा में सामान्य से 78 प्रतिशत कम, हजारीबाग में सामान्य से 61 प्रतिशत कम, रामगढ़ में सामान्य से 60 प्रतिशत कम, देवघर में सामान्य से 62 प्रतिशत कम, सिमडेगा में सामान्य से 56 प्रतिशत कम, लोहरदगा में सामान्य से 53 प्रतिशत कम, कोडरमा और गुमला में सामान्य से 51 प्रतिशत कम और गिरिडीह में सामान्य से 50 प्रतिशत कम बारिश हुई है। रांची की बात करें तो यहां सामान्य से 44 प्रतिशत कम बारिश रिकॉर्ड किया गया है। वहीं अन्य जिलों में भी सामान्य से 20 से लेकर 49 प्रतिशत तक कम बारिश हुई है जिसके चलते राज्य में खेती प्रभावित हो रहा है।

कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 1236, 157 नए केस

रांची : झारखंड में कोरोना की रफ्तार में दिना पर दिन लगातार वृद्धि हो रही है। राज्य में कोरोना के 1236 एक्टिव मामले में सबसे अधिक रांची में 435 केस एक्टिव है। रविवार को सुबह को बताया गया कि इन 24 घंटे में कोरोना से 153 मरीज स्वस्थ हुए हैं। इसके विपरीत राज्य के 15 जिले से कोरोना के 157 नए मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बोकारो से 25, चतरा से पांच, देवघर से 22, धनबाद से चार, दुमका से चार, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर)से 26, गिरिडीह से एक, गोड्डा से आठ, हजारीबाग से दस, खुट्टी से एक,कोडरमा से छह , लातेहार से तीन, रामगढ़ से तीन, रांची से 38 और पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) से एक मरीज मिले हैं। राज्य में कुल कोरोना मरीजों की संख्या अब चार लाख, 38 हजार,925 हो चुकी है। कोरोना से चार लाख, 32 हजार, 362 मरीज ठीक हुए हैं। हालांकि राज्य में पांच हजार, 327 मरीजों की मौत कोरोना से हुई है। झारखंड में कोरोना का रिकवरी रेट 98.50 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत है।

बैठक में अशोक सिंह गौतम सिंह, पपू कुमार सिंह ,मोहम्मद सत्तार मोहन तुरी,जमशेद हुसैन हसनैन अंसारी, सुरेश तुरी ,जय लाल सिंह, अजीज अंसारी ,अशोक गुप्ता, मोहन लाल साव, अशोक कुमार महतो, मोहम्मद कासिम ,मोहम्मद नसीम, मोहम्मद कयूम परमेश्वर कुशवाहा, प्रेम कुमार गुप्ता, मोहम्मद रज्जाक, बद्री महतो, गोविंद महतो, भोलानाथ गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में हजारीबाग जिला के झारखंड आंदोलनकारियों ने भाग लिया।

ईडी की टीम आज साहेबगंज में अवैध खनन की जांच से संबंधित दस्तावेजों का करेगी सत्यापन

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम साहेबगंज में सोमवार को जब्त दस्तावेजों का वेरीफिकेशन करेगी. ईडी की टीम द्वारा अवैध खनन की जांच से संबंधित दस्तावेज जांचे जायेंगे। इसकी परतें लगातार पृछताछ के दौरान खुल कर सामने आ रही हैं. 25 जुलाई को साहेबगंज के जिला खनन पदाधिकारी की ओर से उपलब्ध करायी गयी जानकारी की क्रॉस वेरीफिकेशन करायी जायेगी। इसके सत्यापन के लिए ईडी की टीम 25 जुलाई की सुबह साहेबगंज पहुंच जायेगी। ईडी ने जिला प्रशासन को इस संबंध में समन भेजा है. साथ ही दस्तावेजों के सत्यापन के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार और निबंधन विभाग के अधिकारियों को भी दल में शामिल किया गया है। राजस्व निबंधन और भूमि सुधार विभाग के कुछ अधिकारियों को भी मौके पर उपस्थित रहने को

कहा गया है। साहेबगंज के अंचल अधिकारी अब्दुस सामद और राजमहल के अवर निबंधन कार्यालय के अवर निबंधक को भी मौके पर उपस्थित रहने को कहा गया है।

बताया जा रहा है कि ईडी के अफसर साहेबगंज में दुर्गा स्टीन वर्क्स और इससे जुड़े स्टीन क्रशरों का मुआयना भी करेगे, ईडी की टीम का मानना है कि पत्थर के खदानों को गलत तरीके से खान एवं भूतत्व विभाग तथा वन एवं पर्यावरण विभाग के अधिकारियों ने गलत लाइसेंस देकर शुरू कराया है। इसके जरिये ही अवैध माइनिंग और ट्रांसपोर्टेशन हो रहा है. सभी संबंधित खदानों के लीज दस्तावेज की भी जानकारी ली जायेगी। लीज दस्तावेजों से आघार पर अधिकारियों से पृछताछ हो सकती है. विभिन्न बैंकों में पत्थर कारोबारियों के खाते की भी पूरी डीटेल ईडी की टीम ने मंगायी है. उसकी भी जांच की जायेगी।

सरकार झारखंड आंदोलनकारियों को गौरव का पात्र बनाये : पुष्कर महतो

रांची : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा,हजारीबाग,जिला की बैठक मटवारी मैदान में हुई। बैठक की अध्यक्षता झारखंड आंदोलनकारी रवि सिंह ने की। इस मौके पर झारखंड आंदोलनकारियों के व्यापक हितों की रक्षार्थ झारखंड आंदोलनकारी कल्याण बोर्ड की मांग की गई। झारखंड आंदोलनकारियों के चिन्हतीकरण में हो रहे बिलंब होने पर चिंता व्यक्त किया गया। बैठक में सभी झारखंड आंदोलनकारियों व परिवारजनों को स्वास्थ्य सुविधाएं देने की मांग की गई। इस अवसर पर मुख्य अर्थित झारखण्ड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक सह केंद्रीय प्रवक्ता पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों ने अलग राज्य के निर्माण के लिए संघर्ष ही नहीं, शहादत दिए है। अपने मान - सम्मान, पहचान , व अस्तित्व के लिए मोहताज है। राज्य सरकार झारखंड आंदोलनकारियों को गौरव

का पात्र बनाए। समान रूप से झारखंड आंदोलनकारियों को मान - सम्मान,पेंशन,नियोजन,पहचान दे। केंद्रीय सचिव भुवनेश्वर केवट ने कहा कि झारखंड आंदोलन का सपना आज भी अधूरा है। नेता अधिकारी लूट पर मस्त हैं झारखंडी जनता भूख बेकारी और पलायन के लिए मजबूर है । झारखंड के साथ आज भी भेदभाव हो रहा है हमारे रॉयल्टी का हिस्सा आज भी डकारा जा रहा है। हम झारखंड और झारखंडियों के साथ बेमानी बदरस्त नहीं करेंगे। सरकार आंदोलनकारियों कि भावनाओं के अनुरूप झारखंड का नया ब्लू प्रिंट जारी करे अन्यथा आंदोलनकारी बृहद आंदोलन के लिए बाध्य होंगें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झारखंड आंदोलनकारी निसार अहमद ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों के नाम पर दलाली करने वालों को बेनकाब किया जाएगा।।इस अवसर पर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष

मोर्चा हजारीबाग जिला संयोजक

मंडल का गठन किया गया

रवि कुमार सिंह व निरंजन महतो - मुख्य संयोजक, ध्रुव नारायण पासवान ,शुक्र रजेंद्र साहू, सुजीत कुमार महतो, अशरफ अली, बद्री सिंह, दशरत महतो, मोहम्मद काजी, मोहम्मद नसीम , श्रीप्रती वीणा पानी नंदी को संयोजक चुनाव किया गया।

बैठक में अशोक सिंह गौतम सिंह, पपू कुमार सिंह ,मोहम्मद सत्तार मोहन तुरी,जमशेद हुसैन हसनैन अंसारी, सुरेश तुरी ,जय लाल सिंह, अजीज अंसारी ,अशोक गुप्ता, मोहन लाल साव, अशोक कुमार महतो, मोहम्मद कासिम ,मोहम्मद नसीम, मोहम्मद कयूम परमेश्वर कुशवाहा, प्रेम कुमार गुप्ता, मोहम्मद रज्जाक, बद्री महतो, गोविंद महतो, भोलानाथ गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में हजारीबाग जिला के झारखंड आंदोलनकारियों ने भाग लिया।

रांची : झारखंड में कोरोना की रफ्तार में दिन पर दिन लगातार वृद्धि हो रही है। राज्य में कोरोना के 1236 एक्टिव मामले में सबसे अधिक रांची में 435 केस एक्टिव है। रविवार को सुबह को बताया गया कि इन 24 घंटे में कोरोना से 153 मरीज स्वस्थ हुए हैं। इसके विपरीत राज्य के 15 जिले से कोरोना के 157 नए मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बोकारो से 25, चतरा से पांच, देवघर से 22, धनबाद से चार, दुमका से चार, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर)से 26, गिरिडीह से एक, गोड्डा से आठ, हजारीबाग से दस, खुट्टी से एक,कोडरमा से छह , लातेहार से तीन, रामगढ़ से तीन, रांची से 38 और पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) से एक मरीज मिले हैं। राज्य में कुल कोरोना मरीजों की संख्या अब चार लाख, 38 हजार,925 हो चुकी है। कोरोना से चार लाख, 32 हजार, 362 मरीज ठीक हुए हैं। हालांकि राज्य में पांच हजार, 327 मरीजों की मौत कोरोना से हुई है। झारखंड में कोरोना का रिकवरी रेट 98.50 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत है।

रांची विवि के वीसी मिले द्रौपदी मुर्मू से

रांची : रांची विश्वविधालय, रांची के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान रविवार को भारत की भावी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अनौपचारिक

मुलाकत की। उन्होंने रांची विश्वविधालय परिवार की ओर से हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी एवं विश्वविद्यालय आने का अनुरोध किया।

एक नजर

डोमिसाइल आंदोलन के शहीदों को दी गयी श्रद्धांजलि

रांची : जिला स्कूल स्थित शहीद स्मारक में डोमिसाइल आंदोलन में शहीद हुए स्व: आर.के सिंह,दिपक और बबलू को छत्र युवा संघर्ष समिति ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। छत्र युवा संघर्ष समिति प्रत्येक वर्ष 24 जुलाई को शहीद दिवस मनाती है वर्तमान में इसके प्रदेश संयोजक ललित ओझा है जिन्होंने आज शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि आज 20 बरस बीत गये लेकिन शहीदों के परिवार को राज्य सरकार ने फूटी कौड़ी भी नहीं दिया। रघुवर सरकार ने नयी नियोजन नीति लागू भी किया जिसे इस सरकार ने खारिज कर दिया। छत्र युवा संघर्ष समिति राज्य में सदनों के हित के लिए खड़ी है। इस अवसर पर सैकड़ों लोगों ने शहीदों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया। श्रद्धा-सुमन अर्पित करने वाले में संजय कुमार जयसवाल बिंदुल वर्मा मुकेश सिंह केके गुप्ता बलराम सिंह शुभम जायसवाल बल्ली राय संजय सिंह संजय सिंह परमार संतोष सिंह राजेश सिंह अजय दुबे अवधेश दुबे दीपू वर्मा धुरिल राय रामायण राय रामचंद्र राय महेंद्र राय महेंद्र यादव संजय यादव परमानंद राय बबलू अशोक यादव राजकुमार यादव शिव कुमार यादव मनोज पासवान मक्खन पासवान रीना तिकी रजनी तिकी सहित हजारों की संख्या में श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए उपस्थित हुए। गौरतलब है कि वर्ष 2002 जुलाई में दिवंगत उदय शंकर ओझा के नेतृत्व में समाज को बांटने वाले तथाकथित आदिवासी नेताओं ने भोले- भाले आदिवासियों को भड़का कर भीतरी-बाहरी का नारा देकर डोमिसाइल के आग में झोंक दिया। समूचे राज्य में हिंसक आंदोलन हुए तथा संघर्ष में लगभग डेढ़ दर्जन लोग मारे गये। अकेले रांची में 24 जुलाई के आंदोलन में सात लोग मारे गये।

जेएसएससी जेई परीक्षा घोटाले की जांच सीबीआई से करायी जाए : दीपक

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने जेएसएससी जूनियर इंजीनियर परीक्षा में हुई अनियमितता की जांच सीबीआई से कराने की मांग राज्य सरकार से की है। उन्होंने रविवार को कहा कि जिस प्रकार मीडिया में बातें उजागर हो रही हैं उससे स्पष्ट है कि इसमें सत्ताधारी दल के माफियाओं हाथ है। प्रकाश ने कहा कि हेमंत सरकार ने भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा पर कर दी है। राज्य का कोई भी क्षेत्र भ्रष्टाचार से अछूता नहीं है। प्रतिवर्ष पांच लाख नौकरी का छत्तावा देकर सत्ता में आने वाली सरकार ने युवाओं की नौकरियों की भी बोली लगा सली। खान, खनिज और बालू की लूट करते-करते नौकरियों को भी लुटवा दिया। बिना सरकार के लोगों की मिलीभगत के परीक्षा के पहले ही प्रश्नपत्र बाहर कैसे आ सकता है। उन्होंने कहा कि इसके पूर्व जेपीएससी की परीक्षा में भी भारी अनियमितताएं उजागर हुई थी।

22 वर्षों तक राजनेताओं ने मूलवासियों को ठगा : नायक

रांची : 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति के नाम पर 22 वर्षों तक झारखंड के सभी आदिवासी मूलवासी राजनेताओं ने झारखंडी समाज को ठगने का काम किया है। उपरोक्त बातें रविवार को झारखंडी सूचना अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष विजय शंकर नायक ने आज ही के दिन डोमिसाइल आंदोलन के समर्थन में शहीद हुए झारखंडी समाज के संतोष कुजूर, कैलाश कुजूर, विनय कुकल की प्रतिमा पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी दलित आदिवासी मूलवासी झारखंडी नेता खतियान आधारित स्थानीय नीति पर दुल मूल की राजनीति कर रहे हैं। हद तो यह है कि इस मुद्दों को लेकर कितने लोग विधायक भी बने, कितनी पार्टियां सत्ता में भी आयीं, आज 22 वर्ष राज्य निर्माण के हो गये, उसके बाद भी आज खतियान आधारित स्थानीय नीति के मुद्दा जस का तस है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में दीपक पासवान, रवि नायक, कुंदन कुमार, मंटू राम, अजय नाथ, परवेज आलम, शफकी अंसारी, धुनेश्वर तिग्गा, संजय महली शामिल थे।

शहीद संतोष कोणक, विनय तिग्गा, कैलाश कुजूर की त्रिमूर्ति पर माल्यार्पण



नवप्रदेश संवाददाता

रांची : आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के द्वारा आदिवासी मंच के द्वारा डोरंडा मेकन चौक में शहीद संतोष कोणक विनय तिग्गा कैलाश कुजूर की त्रिमूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। माल्यार्पण के दौरान परिवारों के द्वारा एवं पूर्व विधायक बंधु तिकी, विधायक शिल्पी नेहा तिकी द्वारा एवं आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के अध्यक्ष राजु महतो के द्वारा अलग अलग किया गया। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के तत्वधान में माल्यार्पण कार्यक्रम में मंच के संयोजक लाल नाथ सहदेव विजय साहू उपाध्यक्ष इशरत आलम सर्जन हंसदा महासचिव रंजीत राउत संगठन सचिव इकबाल हसन महिला अध्यक्ष विनीता खलखो केंद्रीय सचिव मंगलेश्वर उरवि कोषाध्यक्ष गोपाल महतो सचिव प्रवीण सहाय

समेत ऐरेन कच्छप, नीलकंठ बिल्कंडा, बुलबुल साहू सहित अन्य माननीयगण उपस्थित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजु महतो ने कहा कि डोमिसाइल दिवस 24 जुलाई एक ऐतिहासिक दिन है और करोड़ों आदिवासी मूलवासी जनता के भावना के अनुरूप खतियान के आधार पर स्थानीय नीति को लेकर जो संघर्ष हुआ अविश्वसनीय है झारखंड के आदिवासी मूलवासी जनता के उस संघर्ष को आज भी जीवित रखा है और खतियान के आधार पर स्थानीय नीति लागू करके ही आदिवासी मूलवासी जनता दम लेगे और इसके लिए अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग नेतृत्वकर्ता उसे राज्यव्यापी आंदोलन हो रहा है और सारे आंदोलन को मिलाकर एक बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा सरकार को खतियान के आधार पर लागू करने में विवश करना होगा।

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : मांडर उप चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर जीत हासिल करने वाली शिल्पी नेहा तिकी अपनी नेतृत्व क्षमता से लोगों को प्रभावित कर रही हैं। चुनाव जीतने से पहले शिल्पी नेहा तिकी ने चुनाव प्रचार के दौरान भी काफी प्रभावित किया था।

मार्केटिंग कम्प्यूनिकेशन की छात्रा रही बंधु तिकी की बेटी विधायक बनने के बाद से लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं और लोगों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण का प्रयास कर रही हैं। अपने पिता की तरह ही वह अपने बहनोय स्थित पैतृक आवास में प्रतिदिन बैठकर आम लोगों की समस्याओं को सुनती हैं और समाधान का प्रयास करती हैं। उनकी इस पहल की सराहना हो रही है।



शिल्पी नेहा तिकी प्रत्येक दिन अपने क्षेत्र में दिखाई पड़ती हैं। यही नहीं वह हर दिन किसी न किसी कार्यक्रम में सक्रिय दिखाई पड़ती हैं। इसका क्षेत्र के लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। शिल्पी नेहा तिकी अपने व्यवहार से आम जनता के दिल जीत रही है। उन्हें मधुर व्यवहार के

लिए प्रशंसा मिल रही है। बीते दिनों उन्होंने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सभी प्रखंडों के कस्तूरबा गांधी विद्यालयों का निरीक्षण किया।

शिल्पी नेहा तिकी अपने पिता बंधु तिकी के साथ मिलकर मैट्रिक एवं इंटर में सफल छात्र - छात्राओं को सम्मानित कर

उनका हौसला बढ़ा रही है और उन्हें भविष्य के किए शैक्षणिक टिप्स भी दे रही हैं। उनके भारत रत्न राजीव गांधी ग्रामीण मेधा सम्मान कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण प्रतिभाओं को सम्मानित करने के कार्यक्रमों की हर ओर प्रशंसा हो रही है। उनके इस पहल से छात्रों को मोटिवेशन मिला है। शिल्पी नेहा तिकी ने मेट्रो शहर में रहकर जाँब किया है लेकिन उनका माटी से जुड़ाव अप्रतिम है। वे कभी भी अपने ऊपर शहरी आबो-हवा को हावी नहीं होने देती। वे माटी से जुड़ी हुई दिखाई पड़ती है। कभी वे क्षेत्र में मंडुआ रोपते हुए दिखाई पड़ती हैं तो कभी खेतों के बीच मशरूम या मिर्च तोड़ते हुए दिखाई पड़ती हैं।

राजनीति में आने से पहले सोशल मीडिया पर उनकी सक्रियता नगण्य थी।

दारोगा संध्या टोपनो हत्याकांड मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

नवप्रदेश संवाददाता

रंची : रंची के तुपुदाना ओपी में पदस्थपित सब इंस्पेक्टर संध्या टोपनो को वाहन से टक्कर मारकर हत्या करने के मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में मोहम्मद ताहिर मियां, साजिद अंसारी और शाहिद अंसारी शामिल हैं। इनके पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

सिटी एसपी अंशुमान कुमार ने रिविचार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बीते 20 जुलाई को मवेशी तस्करों ने रंची के तुपुदाना



ओपी क्षेत्र अंतर्गत हुलहुंडू में चेकिंग कर रही महिला सब इंस्पेक्टर संध्या टोपनो को

पिकअप वैन से कुचल दिया था। इससे उसकी मौत हो गयी थी। घटना में शामिल वाहन में सवार

अन्य आरोपित साजिद अंसारी को 23 जुलाई को नागा बाबा खटाल के पास से गिरफ्तार किया गया

और उसके बयान एवं निशानदेही पर उसके पिता ताहिर मियां तथा भाई शाहिद अंसारी को भी गिरफ्तार किया गया है।

सिटी एसपी ने बताया कि घटना में शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। छापेमारी टीम में डीएसपी हटिया राजा कुमार मित्रा, कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय, धुर्वा थाणा प्रभारी प्रवीण कुमार, तुपुदाना ओपी प्रभारी मीरा सिंह सहित सशस्त्र बल शामिल थे। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व घटना के दिन मामले में नेजार खान को गिरफ्तार किया गया था।

हथियार व ब्राउन शुगर के साथ महिला सहित पांच नशा कारोबारी गिरफ्तार

नवप्रदेश संवाददाता

रंची : रंची जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अवैध रूप से नशा के कारोबार करने वालों के खिलाफ पुलिस ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने पांच आरोपितों शिवा लोहरा, शिवानी, प्रिया कुमारी, मंखुर अंसारी और अभिषेक सिंह को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक देशी रिवाल्वर, एक पिस्टल, एक देशी कट्टा, 15 गोलियां, 20 ग्राम ब्राउन शुगर, एक लाख 89 हजार रुपये, 180 पुड़िया ब्राउन शुगर और 7580 रुपये बरामद किए गए हैं।

सिटी एसपी अंशुमान कुमार ने रिविचार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि रंची शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नशा का अवैध कारोबार किया जा रहा है।



इससे युवा वर्गों पर गलत प्रभाव पड़ रहा है इसके कारण छोटे-मोटे अपराध की घटना घटित हो रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया टीम ने हिंदपीढ़ी से शमशाद आलम को नौ पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान इसके बताए गए अनुसार पुनदाग ओपी क्षेत्र के इलाही नगर स्थित तबरेज अंसारी के घर से छापेमारी कर तीन अवैध हथियार,

गोली, ब्राउन शुगर और नगद रुपया बरामद किया गया। सिटी एसपी ने बताया कि तबरेज अंसारी पूर्व में भी कई मामलों में जेल गया है इसके बाद अरगोड़ा थाना क्षेत्र में अभिषेक सिंह के घर में छापेमारी किया गया , जिसके पास से 180 पुड़िया ब्राउन शुगर और 7580 रुपए नगद बरामद किया गया। सिटी एसपी ने बताया कि मामले को लेकर हिंदपीढ़ी, पुंदाग ओपी और अरगोड़ा थाना में अलग-अलग तीन प्राथमिकी दर्ज की गई है।

एक नजर

आईसीएसई 12वीं का रिजल्ट, अपूर्व ने हासिल किया

उत्सवर्धन सफलता



रंची : मेहतन, लगन और आत्मविश्वास हो तो किसी भी मंजिल को हासिल किया जा सकता है। इस कथन को चरितार्थ कर दिखाया है आईसीएसई के 12वीं कक्षा संत जेवियर्स स्कूल वाणिज्य के छात्र अपूर्व उपाध्याय ने। उन्होंने कुल 73 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। अपूर्व ने बताया कि जीवन में अभी लंबा सफर तय करना है। सपना है जज बनना। निरंतर पढ़ाई और कठिन परिश्रम से ही हर मुकाम प्राप्त किया जा सकता है। एकाग्रचितता और आत्मविश्वास से उनकी प्रतिभा का सतरंगी रंग निखरा। उनका मानना है कि समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अहम और सार्थक होती है। कहते हैं कि बिना गुरु के किसी को कोई मंजिल नहीं मिलती है। अपने सफलता का श्रेय गुरुतुल्य पापा अरविंद कुमार उपाध्याय, माता रश्मि उपाध्याय और भाई आदित्य उपाध्याय को दिया है।

ट्रेन से हो रही गांजा तस्करी, एक गिरफ्तार

रंची : गांजा तस्करी गांजा की तस्करी अब ट्रेन से कर रहे हैं। गांजा की तस्करी को रोकने के लिए आरपीएफ की टीम लगाता छापेमारी अभियान चला रही है। महिला निरीक्षक सुनीता पन्ना को सूचना मिली थी कि ट्रेन नंबर 13352 एलपी-धनबाद एक्सप्रेस में गांजा ले जाया जा रहा है। सूचना मिलने पर आरपीएफ इंस्पेक्टर रूपेश कुमार के साथ संयुक्त चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया, पूछताछ करने पर उसने अपना नाम मोहम्मद हसमुदीन उम्र लगभग 34 साल, पुत्र मोहम्मद इसराइल, निवासी -गिरिडीह, झारखंड बताया तथा उसके पास रखे सामान के बारे में पूछताछ करने पर उसने कबूल किया कि बैग में गांजा था और वह रायगढ़ (ओडिशा) से अवैध रूप से खरीद कर गिरिडीह में बेचने के लिए ले जा रहा था। बाद में बरामद सामग्री 59 किलो गांजा लगभग अनुमानित कीमत 5,90,000 रुपये था। व्यक्ति को गिरफ्तार कर जवां गांजे के साथ जीआरपी मुर्गे को भेज दिया गया।

रिम्स में तीन डॉक्टरों का चयन

रंची : राजधानी राज्य के सबसे बड़े हॉस्पिटल रिम्स में हाई कोर्ट की फटकार के बाद मैनपावर बढ़ाने को लेकर काम चल रहा है। इसी क्रम में तीन सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों का चयन किया गया है। इसमें न्यू ट्रामा सेंटर के लिए सर्जन डॉ अमित आनंद, बायोकेमेस्ट्री डिपार्टमेंट के लिए डॉ अलविंस विशाल सौरभ दांदेल और कंजरवेटिव एंड एंडोडॉन्टिक्स एंड एस्थेटिक डेंटिस्ट्री के डॉ रवि शंकर प्रसाद शामिल हैं। इन डॉक्टरों के आने से संबंधित विभागों में बेहतर रिजल्ट देखने को मिलेगा।

बाइक सवार बदमाशों ने महिला की चेन छीनी

रंची : रंची के मोरहाबादी इलाके में रिविचार सुबह बाइक सवार अपराधियों ने महिला से चेन छीन ली और फरार हो गए। बताया जाता है कि महिला मोरहाबादी के सब्जी मार्केट में सब्जी लेने आई थी, तभी घात लगाए बाइक सवार दो अपराधी महिला से चेन छीन कर भाग गए। हालांकि, महिला को कुछ समझ आता तब तक बाइक सवार फरार हो गए।

संत जेवियर स्कूल डोरंडा : शानदार कामयाबी

रंची : संत जेवियर स्कूल डोरंडा के परीक्षार्थियों की 12वीं बोर्ड की परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। 12वीं के विज्ञान में 141 में से 15 परीक्षार्थियों को 90 प्रतिशत अंक मिले। वहीं, 33 परीक्षार्थियों को 80 से 89 फीसदी तक अंक मिले हैं। वाणिज्य में 75 विद्यार्थियों ने फर्स्ट डिवीसीन में पास किया। विज्ञान संकाय में आशुतोष मिश्रा एवं एपी कुजुर संयुक्त रूप से 94.25 प्रतिशत के साथ स्कूल टॉपर बने। वाणिज्य में दीपक कुमार यादव स्कूल टॉपर बने। उन्हें 95.25 प्रतिशत अंक मिले हैं।

छात्रों और शिक्षकों की कड़ी मेहनत: अजित कुमार खेस

स्कूल के पूर्व प्राचार्य फादर अजित कुमार खेस ने विद्यार्थियों की सफलता पर उन्हें बधाई दी। कहा कि परीक्षा परिणाम का बेहतर होना छात्रों और शिक्षकों की कड़ी मेहनत का नतीजा है।

झारखंड के 3 जिलों में 3 महीने में 3 तेली की हत्या

सभी जिलों में होंगे धरना प्रदर्शन : साहू मुरारी गुप्ता

नवप्रदेश संवाददाता

रंची : राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन झारखंड की एक ऑनलाइन मीटिंग हुई। झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू की अध्यक्षता में प्रदेश कार्यसमिति के पदाधिकारीगण, जिला के प्रभारीगण एवं जिला के अध्यक्षगण उपस्थित रहे। बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष साहू मुरारी गुप्ता ने कहा कि झारखंड के 3 जिला कोडरमा, धनबाद और गिरिडीह में क्रमशः अर्जुन साव , रंजित साव और वायुसेवा साव की हत्या मात्र 3 महीने में हुई है। अब झारखंड का तेली समाज हत्यारों के खिलाफ लड़ाई लड़ेगी। सभी जिलों में धरना प्रदर्शन किया जायेगा। अगर इतने से भी मृतक परिवारों को न्याय नहीं मिला तो प्रदेश स्तर पर राजभवन के समक्ष भी विरोध प्रदर्शन होगा।



प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने कहा कि तेली समाज को अपनी लड़ाई लड़ने के लिए एकजुट होने के साथ साथ जागरूक भी होना होगा। बैठक में उपस्थित प्रमुख रूप से कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रंची से हरिनाथ साहू, खुंटो से संतोष राम, चतरा संजय स्नेही, हजारीबाग से केदार साव, प्रदेश उपाध्यक्ष कोडरमा से डाक्टर विशाल कुमार, धनबाद से विकास कुमार साव, पलामू से सुमन गुप्ता, गुमला से संजय साहू, प्रदेश महामंत्री लातेहार से राजू रंजन प्रसाद, प्रदेश मंत्री बोकारो से रमेश कुमार

नायक, रामगढ़ से राजेश प्रसाद, युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष शीलल प्रसाद साहू, महिला इकाई की प्रदेश अध्यक्ष प्रियंका कुमारी, जिला प्रभारी गोड्डा से दीपक कुमार साह, गढ़वा से संत कुमार, जिलाध्यक्ष कोडरमा के किशोर साव, गिरिडीह के भागवत साह, धनबाद ग्रामीण के अशोक साव, दुमका के बबलू मंडल, देवघर के जय प्रकाश मंडल, जामताड़ा के आभा आर्या, जमशेदपुर ग्रामीण के चण्डी चरण साव, चाइबासा के अमित साह इत्यादि कई लोग शामिल रहे।

नवप्रदेश संवाददाता

रंची : अग्निवीर वायुसेना फेज वन की ऑनलाइन परीक्षा रिविचार से शुरू हुई। रंची के दो परीक्षा केंद्रों पर अग्निवीर फेज वन की परीक्षा आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में युवा पहुंचे। वायुसेना में अग्निवीर बहाली को लेकर फेज वन की ऑनलाइन परीक्षाएं 24 जुलाई से 31 जुलाई तक आयोजित होगी।

यह परीक्षा तीन सेट में आयोजित हो रही हैं और सभी सेट के विषय और समय अलग-अलग निर्धारित की गई है। पहला सेट विज्ञान भौतिकी रसायन शास्त्र गणित का है, जो 60 मिनट का निर्धारित किया गया है। दूसरा सेट अंग्रेजी का है जो 45 मिनट का है और तीसरे सेट में रिजनिंग और शतरंज नॉलेज की परीक्षा ली जा रही है। सभी सवाल 12वीं स्तर के पूछे जा रहे हैं। इस परीक्षा का आयोजन पहली बार किया जा रहा है। इसमें देशे भर से अग्निपथ योजना के तहत वायुसेना के पदों पर भर्ती होगी। रंची के परीक्षा केंद्रों



में भी तीन पालियों में इस परीक्षा का आयोजन किया गया।

पहले फेज की ऑनलाइन परीक्षा खत्म होने के बाद मेधा सूची जारी की जाएगी। इसके आधार पर ही दूसरे फेज के लिए अभ्यर्थियों को चुना जाएगा। फेज दो के लिए चयनित अभ्यर्थियों को ई-मेल के माध्यम से सफल होने की जानकारी के साथ दूसरे फेज के लिए एडमिट कार्ड भी भेजी जाएगी। दूसरे फेज की परीक्षा 21 से 28 अगस्त तक के बीच होगी। फेज वन और टू में सफल अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता की परीक्षा पास करनी होगी। इसके लिए अभ्यर्थियों को 1600 मीटर की दौड़ 6:30 मिनट में पूरी करनी होगी। इसमें सफल अभ्यर्थियों की मेडिकल जांच होगी तभी आगे कि कार्रवाई की जाएगी।

देशी मशरूम का जलवा, सावन में रुगड़ा और खुखड़ी नॉनवेज का विकल्प बना

400 रुपये किलो मिल रहा है रुगड़ा व खुखड़ी

नवप्रदेश संवाददाता

रंची : सावन के महीने में झारखंड के साथ राजधानी रंची में भी देशी मशरूम की धूम है। सावन में नॉनवेज के शौकीन लोगों के लिए रुगड़ा और खुखड़ी नॉनवेज का विकल्प बन चुके हैं। राजधानी में कचहरी चौक और रंची युनिवर्सिटी गेट के पास 400 रुपये किलो के हिसाब से रुगड़ा और खुखड़ी बिकती है। इसका स्वाद तो लाजवाब होता ही है, यह ग्रेटीन से भी भरा होता है। इस वजह से यह स्वाद और सेहत दोनों के लिहाज से बेहतरीन है।

अमीर से लेकर गरीब तक सभी की पसंद

कचहरी चौक पर रुगड़ा और खुखड़ी बेचने वाली संध्या देवी ने बताया कि वे सीजन में रुगड़ा और खुखड़ी बेचकर अच्छी कमाई कर लेती हैं। अमीर से लेकर गरीब सभी इसे खाना पसंद करते हैं। यही नहीं, ग्रामीणों के लिए भी यह



आमदनी का एक बेहतर साधन भी बन गया है। रुगड़ा और खुखड़ी की बरसात के दिनों में बड़े पैमाने पर लातेहार में उपज होती है। इसका स्वाद बहुत हद तक मटन से मिलता है। जब बारिश होने के साथ बिजली कड़कती है तो इसका उत्पादन और अधिक बढ़ जाता है। इसे स्थानीय भाषा में लोग खुखड़ी कहते हैं।

ग्रामीण रोज सुबह जंगलों में जाकर रुगड़ा लाते हैं और सड़क के किनारे बैठकर इसे बेचते हैं। सड़क से आने-जाने वाले लोग रुक कर बड़े चाव से इसे खरीदते हैं और इसकी सब्जी बनाकर खाते

हैं। ग्रामीणों को इसके उत्पादन के लिए ना तो कोई मेहनत करनी पड़ती है और ना ही इसके व्यवसाय के लिए कोई पूंजी की जरूरत पड़ती है। बस जंगल में जाकर थोड़ी मेहनत करते हैं और प्राकृतिक मशरूम को बेचकर अच्छी आमदनी कर लेते हैं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक प्राकृतिक मशरूम का स्वाद मटन के जैसा होता है। स्थानीय ग्रामीण दुल्की सिंह ने बताया कि सावन के महीने में इसकी बिक्री काफी अधिक होती है। इसे खाने में बिल्कुल मटन के जैसा स्वाद लगता है। इसलिए लोग इसे

शाकाहारी मांस भी कहते हैं। स्थानीय ग्रामीण बिपिन साय ने कहा कि जितनी अच्छी बारिश होगी और बादल गरजेगा उतना ही अधिक इसका उत्पादन भी बढ़ता है। उन्होंने कहा कि बारिश होने के बाद ग्रामीण जंगल में जाते हैं और रुगड़ा तथा खुखड़ी को जमीन के नीचे से खोदकर बाहर निकालते हैं और उसे बाजार में बेचते हैं।

ग्रामीण महिला चंपा देवी ने बताया कि इसका उत्पादन सबसे अधिक सखुआ के पेड़ के नीचे ही होता है। यह पेड़ की जड़ के नीचे पत्तों से ढका रहता है। हल्की खुदाई कर इसे बाहर निकाला जाता है और पानी से धोकर बेच दिया जाता है।उन्होंने बताया कि बाजार में रुगड़ा की कीमत 400 प्रति किलो है। वहीं छाता खुखरी की कीमत 300 से लेकर 350 रुपए प्रति किलो होती है। हालांकि जैसे-जैसे उत्पादन अधिक होने लगता है कीमत घटने लगती है।

सबसे अच्छी बात यह है कि ग्रामीणों को इसे बेचने के लिए

किसी बड़े बाजार में जाने की जरूरत नहीं होती है। शहर से दूर जंगली इलाकों से गुजरने वाली एनएच के किनारे बैठकर ग्रामीण इसे बेचते हैं। श्राहक दूरदराज से आकर ग्रामीणों से प्राकृतिक मशरूम की खरीदारी करते हैं। डॉक्टर आनंद सिंह ने कहा कि देशी मशरूम काफी फायदेमंद होता है। इसमें सभी प्रकार के विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन आदि पाए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि गोबर आदि में उगने वाले मशरूम कभी-कभी नुकसानदायक भी हो जाते हैं लेकिन जो जंगल में पाए जाते हैं वह फायदेमंद होते हैं। देशी मशरूम जहां लोगों के खाने का जायका बढ़ा रहा है। वहीं, ग्रामीणों को आमदनी का एक बेहतर साधन भी उपलब्ध करा रहा है। जरूरत इस बात की है कि सरकार और कृषि विभाग रुगड़ा, खुखड़ी आदि को बढ़ावा दे ताकि ग्रामीणों के लिए रोजगार का यह एक बेहतर साधन बन सके।

नवप्रदेश संवाददाता

रंची : श्रावण मास कृष्णपक्ष की कामिका एकादशी व्रत को लेकर श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में 24 जुलाई रविवार को परात्पर ब्रह्म परमात्मा श्रियः पति तिरुपति बालाजी का उद्यास्तमन सेवा हुआ। इसके अंतर्गत प्रात : विश्वरूप दर्शन, सुप्रभातम् और मंगलाशासन के पश्चात् तिरू-आराधना निवेदन हुआ। तद्वतर दूध, दही, हल्दी, चंदन, शहद, डाभभुक्त जल एवं गंगाजल से अनुलेपन पूर्वक महाभिषेक हुआ।इन क्रिया से अतिव प्रसन्न हो भगवान समस्त बाधाओं से मुक्त कर मोक्षरूपी फल प्रदान करते हैं। अतः भगवान को सहस्त्रधारा, शंखधारा, कलशधारा और चक्रधारा के उपचार से पृथक-पृथक अभिषेक हुआ। ऐसे अनुष्ठान का अनुमोदन करनेवाले यजमान स्वयं परिवार सहित सारे सुखों का उपयोग करता है तथा उनके पितर स्वर्गलोक में स्थित होकर अमृतपान से तृप्त होते हैं।



भगवान को महाभिषेक से तृप्त करके नक्षत्र, कुंभ और कर्पूर से आरती हुई और फलाहारी खीर, फल और मेवा का नैवेद्य भोग लगा। इसके बाद वेंकटेश्वर स्रोतम, श्रीस्तुति, भूस्तुति, सुदर्शनाष्टकम् एवं स्वस्तितवाचन पूर्वक स्तवन हुआ। फिर चल रहे सैकड़ो यजमान का मासिक पुष्य अर्चना, कुंकुम अर्चना और श्रीसूक्त का पारायण हुआ। अनुष्ठान के अनेकों उपचार के बाद आम भक्तों के दर्शन हेतु र्मन्दिर का बाहरी कपाट खोल दिया गया। पट्

खुलते ही सैकड़ों भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। बारी-बारी से लोगों ने कुपन लेकर अपने-अपने नाम और गोत्र के उच्चारण पूर्वक कतारबद्ध हो अर्चना करायी।

आज के उद्यास्तमन सेवा सहित अभिषेक के यजमान ललन प्रसाद - बेबी देवी पटना से हुए। सत्यनारायण गौतम एवं नारायण दास ने मिलकर सारे अनुष्ठान को विधिगत संपन्न कराया। इसमें रामअवतार नारसरिया, अनूष अग्रवाल, प्रभाष मित्तल, प्रदीप नारसरिया की भागीदारी रही।

संपादकीय

ममता की रणनीति

एगुमूल काग्रेस क प्रमुख ममता बनर्जी ने संभवतः अकेला चलने की रणनीति अपना ली है। दरअसल, उन्हें यह पसंद नहीं है कि विपक्ष को नेतृत्व काग्रेस करे। ममता को न काग्रेस पर भरोसा है और न ही किसी अन्य विपक्षी दल पर। इस कारण अपनी महत्वाकांक्षा और यथार्थ के बीच तालमेल बैठाने की कोशिश उन्होंने शुरू कर दी है। 21 जुलाई को ममता ने कोलकाता में एक रैली को संबोधित किया। झामझम बारिश के बावजूद उन्हीं रैली में काफी भीड़ एकत्र हुई। उसमें वह केन्द्र पर खूब बरसीं। उन उत्तराधिकारी अभिषेक बनर्जी ने तो यहां तक कह दिया कि बंगाल को केन्द्र का पैसा नहीं चाहिए, हम अपने बूते पर बंगाल का विकास करेंगे। उस रैली में ममता ने अपनी ताकत और कमजोरी का एक साथ प्रदर्शन किया। कोलकाता में शहीद दिवस पर जन समुद्र देखकर पार्टी के मजबूत संगठन व उसके जनाधार का पता तो चला, मगर उपराष्ट्रपति की उम्मीदवार मागिरिट अल्टा को समर्थन नहीं देने के फैसले से विपक्षी खेमे में ही वह अलग-थलग पड़ती दिखाई। उस तरह, 2024 में राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा रोल अदा करने के उनके सपने पूरे होते नजर नहीं आ रहे हैं। पिछले साल में वह शरद पवार से मिली थीं और उनके सामने ही कहा था कि सीएम है कहां? ममता चाहती थीं कि काग्रेस का साथ छोड़कर पवार उनके खेमे में आ जायें। इस बार विपक्ष का राष्ट्रपति उम्मीदवार चुनने के मामले पर सबसे पहले दीदी ने पटल की, पर पवार की बुलायी बैठक में वह शामिल नहीं हुई। उन राष्ट्रपति प्रत्याशी मागिरिट अल्टा को वोट नहीं देने का कारण बताया कि प्रत्याशी तय करने से पहले काग्रेस ने उनसे सलाह नहीं ली और मतदान से अलग रहने का फैसला किया। राष्ट्रीय महत्व के मसलों पर एगुमूल के कैजुअल रवैये का नमूना तब दिखा, जब आदिवासी वोटों की चर्चा में ममता ने कर दिया कि अगर भाजपा पहले बातचीत, तो उनका गठबंधन द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने पर सोचता। रैली के मंच से तुणमूल ने 'भाग भाजपा भाग' का नारा जरूर दिया, पर यह काम होगा कैसे, इसकी रणनीति का खुलासा नहीं किया। सभी वक्ता महंगाई को लेकर भी मोदी सरकार को बरसे। वहीं दूसरी ओर, 21 जुलाई के एक दिन बाद ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग और पश्चिम बंगाल प्राइमरी एजुकेशन बोर्ड भर्ती घोटाले के संबंध में 14 जवाहों पर छापेमारी की। इसमें मंत्री पाथ चर्जजी की करीबी अर्पिता मुखर्जी के घर से 20 करोड़ नकद और 12 अफ़ोन बरामद किये गये। शिखा राज्यनर्त्री परेश अधिकारी के कूचबिहार वाले घर से भी कई दस्तावेज बरामद किये गये। कई घंटे की पूछताछ के बाद ईडी ने पाथ चर्जजी को शनिवार को गिरफ्तार भी कर लिया है। केन्द्र की टीम भी केन्द्रीय योजनाओं मुआयना करेपर आयी। इस स्थिति में अब केन्द्रीय एजेंसियों की सक्रियता के बाद मुकेशजी ममता बनर्जी की अग्रे की रणनीति की दिशा पर सबकी जंजें दिख गयी हैं।

सामयिकी

विपक्ष की हालत खस्ता

डा. वेदप्रताप वैदिक

राष्ट्रपति पद के लिए द्रौपदी मुर्मू के चुनाव ने सिद्ध कर दिया है कि भारत के विरोधी दल भाजपा को टक्कर देने में आज भी असमर्थ हैं और 2024 के चुनाव में भी भाजपा के सामने वे बौनी सिद्ध होंगे। अब उपराष्ट्रपति के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने विपक्ष की उम्मीदवार मारगरेट अल्ट्रा के समर्थन से इनकार कर दिया है। यानी विपक्ष की उम्मीदवार उपराष्ट्रपति के चुनाव में भी बुरी तरह से हारंगी। अल्ट्रा कांग्रेस की ही हैं।

तृणमूल कांग्रेस को कांग्रेस से बहुत आपसित है, हालांकि उसकी नेता ममता बनर्जी खुद कांग्रेस में रही हैं और अपनी पार्टी के नाम में उन्होंने कांग्रेस का नाम भी जोड़ रखा है। ममता ने राष्ट्रपति के चुनाव में यशवंत सिन्हा का भी डटकर समर्थन नहीं किया, हालांकि सिन्हा उन्हीं की पार्टी के सदस्य हैं। अब पता चला है कि ममता बनर्जी, द्रौपदी मुर्मू को टक्कर में आंशिक के ही एक आदिवासी नेता तुलसी मुंडा को खड़ा करना चाहती थीं। ममता ने यशवंत सिन्हा को अपने प्रचार के लिए पश्चिम बंगाल लाने का भी आग्रह नहीं किया। इसी का नतीजा है कि तृणमूल कांग्रेस के कुछ विधायकों और सांसदों ने भाजपा नीत राजग की उम्मीदवार मुर्मू को अपना वोट दे दिया। इससे यही प्रकट होता है कि विभिन्न विपक्षी दलों की एकता तो खटाई में पड़ी ही हुई है, इन दलों के अंदर भी असंतुष्ट तत्वों की भरमार है। इसी का प्रमाण यह तथ्य है कि मुर्मू के पक्ष में कई दलों के विधायकों और सांसदों ने अपने वोट डाल दिए। कुछ गैरभाजपा पार्टीयों ने भी मुर्मू का समर्थन किया है। इसका परिणाम है कि जिस राज की उम्मीदवार मुर्मू के 49 प्रतिशत वोट पकड़े थे, उन्हें लगभग 65 प्रतिशत वोट मिल गए। द्रौपदी मुर्मू के चुनाव ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत के विपक्षी दलों के पास तो कोई ऐसा नेता है और न ही ऐसी नीति है, जो सबको एकसूत्र में बांध सके। देश में पिछले दिनों दो-तीन बड़े आंदोलन चले लेकिन सारे विरोधी दल बगलें झांके रहे। उनकी भीमका नगण्य रही। वे संसद की गतिविधियां जरूर ठप कर सकते हैं और अपने अर्थों के खातिर परंपरादर्शन भी अयोजित कर सकते हैं लेकिन देश के आम नागरिकों पर उनकी गतिविधियां का असर उल्टा ही होता है। यह ठीक है कि यदि वे राष्ट्रपति के लिए किसी प्रमुख विरोधी नेता को तैयार कर लेते तो वह भी हार जाता लेकिन विपक्ष की एकता को वह मभावतः बना सकता था। हालांकि भाजपा के पूर्व नेता यशवंत सिन्हा को अपना उम्मीदवार बनाकर विपक्ष ने यह संदेश दिया कि उसके पास योग्य नेताओं का अभाव है। मारगरेट अल्ट्रा की विपक्षी की मजबूरी का प्रतीक मालूम पड़ती हैं। सोनिया गांधी की तीव्र आलोचक रही 80 वर्षीय अल्ट्रा को उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष ने आगे करके अपने आम को पीछे कर लिया है। ऐसा लग रहा है कि उपराष्ट्रपति के लिए जनपीड धनकड़ के पक्ष में प्रतिशत के हिसाब से राष्ट्रपति की मिले वोटों से भी ज्यादा वोट पड़ेंगे। यानी विपक्ष की दुर्दशा अब और भी अधिक कर्कश होगी।

(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं।)



सुरेश हिन्दुस्थानी

भली भाँति जानते हैं कि स्वतंत्रता के बाद देश का चित्र ऐसा ही दिखाई देता था कि प्रधानमंत्री का बेटा प्रधानमंत्री, कलेक्टर का बेटा कलेक्टर और शासकीय बड़े पदों पर बैठे अधिकारियों का बेटा उसी लाइन पर चलता था, यह उसकी व्यक्तिगत योग्यता न होकर पारिवारिक पृष्ठभूमि से मिली विरासत के आधार पर ही तय किया जाता था।

राष्ट्रपति के चुनाव की मांगणना के पश्चात देश ने एक राष्ट्रपति के रूप में जनजातीय समाज की प्रतिभा द्रौपदी मुर्मू को चुन लिया गया है। राष्ट्रपति के रूप में उनका चयन निश्चित ही एक ऐसा संदेश प्रवाहित कर रहा है, जिसमें एक उम्मीद है, एक विश्वास है कि जो उस समाज में आगे बढ़ने का हाँसला प्रदान कर रहा है, जिसको अभी तक वंचित माना जाता रहा है।

भाषा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनवाकर स्वतंत्रता के अमृत, महोत्सव को सार्थकता प्रदान की है। यहाँ उल्लेखनीय तथ्य यह है कि द्रौपदी मुर्मू उस वर्ग का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो एकत्व मानव दर्शन के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन से निकले शब्दों में समाज का अंतिम छोर है। केन्द्र की मोदी सरकार ने आज पंडित दीनदयाल जी के सपने को साकार करने की अभिनव पहल की है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी कहते थे कि देश दिल समाज के अंतिम छोर पर रहने वाला व्यक्ति मुख्यधारा में नहीं आएगा, तब तक राष्ट्र विकसित नहीं कहा जा सकता। वर्तमान केन्द्र सरकार की अवधारणा ही सबका साथ सबका विकास वाली है।



आरके सिन्हा

आदिवासी मुख्य रूप से ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, नागालैंड, झारखंड, मिजोरम आदि में बहुसंख्यक व गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यक हैं लेकिन अच्छी संख्या में हैं। भारत की लोकसभा में भी जनजातियों के 47 सीटें आरक्षित हैं। इस तरह हर राज्य में कुछ न कुछ सीटें रिजर्व हैं ही। मुर्मू के राष्ट्रपति बनने से आदि दुनिया में भारत के पक्ष में एक बेहतर संदेश गया है।



डा. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देश में सबसे ज्यादा केस टेरेन्यू के हैं। गांवों में जमीन के बंटवारे या सीमा निर्धारण को लेकर देश की निचली अदालतों में अंबार लगा हुआ है। इस तरह के मुकदमों के निपटारे में ग्राम पंचायत की कहीं कोई भूमिका तय हो तो शायद कोई स्थाई समाधान संभव हो सकता है।

राष्ट्रवासी समुदाय की द्रौपदी मुर्मू देश की 15 वीं राष्ट्रपति निर्वाचित हो गई हैं। अब उन्हें सोमवार (25 जुलाई) को पद और गौरवपूर्णता की शपथ राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में दिलवाई जाएगी। वह जब भारत के प्रथम नागरिक के रूप में शपथ ग्रहण करेंगी तब देश के लगभग 10 करोड़ आदिवासी निश्चित रूप से दिल से मौजवाजिब महसूस करेंगे। भारत की साल 2011 की जनगणना के मुताबिक देश की कुल जनसंख्या का साढ़े आठ फीसदी हिस्सा आदिवासियों का है। जरा गौर करें कि 2011 की जनगणना में हिन्दू राष्ट्र की कुल आबादी में 96.93 करोड़ के साथ लगभग 80 फीसद थे। उनके बाद मुसलमान 17.22 करोड़ की आबादी के साथ दूसरे स्थान पर थे। उनकी आबादी 14.2 फीसद थी। इसी जनसंख्या 2.78 करोड़ के साथ तीसरे स्थान पर थी। सिखों की आबादी 2.08 करोड़ के साथ चौथे स्थान थी।

इससे समझा जा सकता है कि आदिवासियों को उनका सामान्य सा हक देने में भी कितना विलंब किया गया। आखिर देश में कुछ शक्तियों कब तक वंचित वर्गों के साथ अन्याय करती रहेंगी। 175 साल में त्यों बार मुसलमान राष्ट्रपति बने। एक बार सिख राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी बने। और एक बार देश का ईसाई भी राष्ट्रपति बन गया। पर किसी को अनुभूति जाति और जनजाति की बड़ी आबादी वाले वंचितों को आगे लाने का ख्याल नहीं आया। धिक्कार है ऐसे शोषस्थ राजनैताओं के वंचितों के प्रति नकारात्मक और हेब इंधि रखने वाले विचार पर।

आदिवासी शब्द दो शब्दों 'आदि' और 'वासी' से मिल कर बना है। इसका अर्थ किसी भी भू-भाग का मूल निवासी होता है। महात्मा गांधी ने आदिवासियों को गिरिजन (पहाड़ पर रहने वाले लोग) कह कर पुकारा था। हालांकि सभी आदिवासी गिरिजन नहीं होते। वह वनवासी अवश्य होते हैं। भारतीय संविधान में आदिवासियों के लिए 'अनुसूचित जनजाति' शब्द का उपयोग किया गया है। भारत के प्रमुख आदिवासी समुदायों में आंध्र, गोंड, खरवार, मुंडा, खड़िया, बोडो, कोल, भील, कोली, सहरिया, संथाल, मीणा, भूमिज, उरांव, लोहार, बिरहोड, पारधी, असुर, टाटाकणकर आदि हैं।

द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति भवन पहुंचना इस बार



की ठोस गवाही है कि भारत के राजनेताओं की सोच अब बदल चुकी है। अब भारत में सबको बराबर के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ओडिशा से आने वाली द्रौपदी मुर्मू को देश का राष्ट्रपति बनाने का निर्णय उसकी सकारात्मक आने आदिवासियों के हक में फैसले लेने के दृढ़ संकल्प को व्यक्त करता है। सच में यह बेहद सुखद संयोग है कि द्रौपदी मुर्मू उस साल भारत की राष्ट्रपति बन रही हैं जब देश स्वाधीनता का अमृत महोत्सव मना रहा है। पर यहाँ पर यह भी सवाल तो पूछा ही जा रहा रहा है कि आजादी के इतने सालों तक विभिन्न सरकारों ने किसी आदिवासी को देश का महामहिम बनाने के संबंध में क्यों नहीं सोचा। उनसे साथ दोसम दर्जे का व्यवहार किसलिए होता रहा। यह सवाल वाजिब भी है।

आदिवासी मुख्य रूप से ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, नागालैंड, झारखंड, मिजोरम आदि में बहुसंख्यक व गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यक हैं लेकिन अच्छी संख्या में हैं।

भारत की लोकसभा में भी जनजातियों के 47 सीटें आरक्षित हैं। इस तरह हर राज्य में कुछ न कुछ सीटें रिजर्व हैं ही। मुर्मू के राष्ट्रपति बनने से सारी बुनियादी भारत के पक्ष में एक बेहतर सहीर गया है। यह अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन के बयान से स्पष्ट है। कहा जा रहा है कि अब तक शोषित और वंचित समझे आदिवाले वर्ग की महिला 135 करोड़ की आबादी वाले देश की राष्ट्रपति बनी हैं। यह सामान्य बात नहीं है। बेशक, अब एक उम्मीद बंधी है कि आदिवासियों के जंगल और जमीन पर कारपोरेट घरानों के हमलों और खनन व सिक्का-हड़द अभियान पर रोक लेगी। देश सदियों से आदिवासियों के दमन और



जनसंहार की भयावह कथाओं को सुनता रहा है। उस दौर की आंत होना। वे वेमाम घटनाएँ अब सर्फ इतिहास का हिस्सा होकर रह जाएँगी। आदिवासी महिला का राष्ट्रपति चुन जाना भारत ही नहीं पूरे विश्व के लिए एक बड़ी बात है। देश में आदिवासियों के साथ अन्याय की ईंठा हो चुकी है। उनकी बीसों खुशी जलमें कविता विकास की भेंट चढ़ गई हैं। अफसोस यह कि शासन उनकी वेदना को कभी नहीं समझ पाता। हम जानते हैं कि राष्ट्रपति पद की एक सीमा और गरिमा होती है। पदोपेदी पदों के राष्ट्रपति बनने से आदिवासियों निश्चित रूप से और अधिक सशक्त होंगे और उनके हालात सुधरेँगे। इसके साथ ही यह भ्रम सफ है कि दौड़पी मुँस सामाजिक ताने-बाने से समाज के चाहे जिस दबे-कुचले तबकों का भी प्रतिनिधित्व क्यों न करती हों, लेकिन, आज वो इस देश की संवैधानिक मुखिया हैं। राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री अथवा ऐसा ही कोई भी संवैधानिक पद, एक संवैधानिक पद ही होता है, इसे दलित, महिला, आदिवासी, सिख, हिन्दू, मुस्लिम या ऐसे ही किसी दूसरे तरह के प्रतिमाओं से देखने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए। जनत सबकुछ देखती है और तुलनात्मक अध्ययन भी करती है। आदिवासी समुदाय प्राचीनकाल से पारंपरिक तरीके से अपनी सांस्कृतिक विरासत के साथ देश के दूसरे क्षेत्रों में रहा रही है। उन्हें अपनी पचवान एवं निरंतरता को बनाए रखने में सफल होना चाहिए। साथ ही आज बदलती दुनिया के अनुसार आदिवासी बच्चों की सही मान्यपे शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आत्मनिर्भरता के पयाँत समान अवसर मिलने चाहिए। भ्रमशती नेत्रन्द्र मोदी ने सता में आने के बाद आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए धन आवंटन में भारी वृद्धि की है। यह भी सच है। मोदीवासी सरकार ने अपने को गरीबों, अनुसूचित जाति, दलितों और पिछड़े वर्गों की कल्याण सोचने

साबित भी किया है। यह तो सभी देख ही रहे हैं। कहा गया है कि ब्रह्माथ कंगन को आसी वक्य और पढ़े-लिखे को फारसी क्या ? वह दरदर असल द्रौपदी मुमू के राष्ट्रपति बनने प्रचिन होने वाले प्रत्येक ईसान को इस समय प्रसन्न मुंडा का पुण्य संस्मरण करना चाहिए। ये वे ऐसे नायक थे जिन्होंने अपने क्रांतिकारी चिंतन से उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में आदिवासी समाज की दशा और दिशा बदलकर नवीन सामाजिक और राजनीतिक युग का सूत्रपात किया था। वे समुचे भारत के लिए आदर्शपूर्ण हैं। वे आदिवासियों के तो नायक सदैव रहेंगे ही। अगर बात देश के अनुसूचित क्षेत्रों की होगी तो देशभर के आदिवासित जाति की क्यों नहीं होगी। इनकी कुल आबादी 20 करोड़ से ऊपर है। यह आंकड़ा 2011 की जनगणना के मुताबिक है। भारतीय लोकसभा में इनकी 84 सीटें आरक्षित हैं।⁽¹⁾ बेशक, ये भी वंचित तबका रहा है। इसके साथ ही घनघोर भेदभाव का इतिहास अहसास होता है। पर देश और वक्त बदलने के साथ अनुसूचित जाति वर्ग की सामाजिक-आर्थिक स्थिति तेजी से सुधर रही है।

आजादी के बाद बहुत क्रिस से, बहुत से शास्त्रीय, बहुत नेता हुए। कोई दलित नेता के नाम से जाना गया और कोई आदिवासी नेता के नाम से जाना गया। लेकिन, दलित नेता के रूप में जाने गए नेताओं से भी ज्यादा काम कर दलित वर्ग के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने किया। उन्होंने पहला पर देश को रामनाथ कोविंद के रूप में पहली दलित राष्ट्रपति भी मिला।⁽²⁾

2015 में समरसता दिवस मनाने का काम मोदी सरकार ने किया। संविधान दिवस मनाने की शुरुआत मोदी सरकार ने की। भारत अपने को एक लंबी पूरी तरह से विकसित और आमनिर्भर मान सका है, जब हमारे अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लोग अपने को मुख्यधारा का हिस्सा मानने लगेंगे। इसमें कतई कोई शक नहीं है कि इन दोनों समुदायों की स्थितियाँ सुधर रही हैं। इन्हें इनके हक मिल रहे हैं। पर इनके लिए अभी सरकार और समाज को और भी बहुत कुछ करते ही रहना होगा जब तक कि वे भी बाकी वर्गों की बराबरी में आकर खड़े न हो जाएं।

(लखक, वारिष्ठ संपादक, स्तम्भकार और
पूर्व सांसद हैं)

मुकदमों के अंबार को कम करने पर हो मंथन



के लिए कोई सर्वमान्य समाधान खोजा जा सकता है। मुकदमों की प्रकृति के अनुसार उन्हें विभाजित किया जाए और फिर समवर्द्ध कार्यक्रम बनाकर उन्हें निपटाने की संभाव्यता बने तो समाधान कुछ हद तक संभव है। खासतौर से यातायात नियमों को तोड़ने वाले मुकदमों की आगलाइन निपटान की कोई व्यवस्था हो जाए तो अधिक कारगर विकल्प हो सकता है। इसी तरह से चेक बाउंस होने के लाखों केस हैं। इन्हें एक या दो सुनवाई में ही निस्तारित किया जा सकता है। मामूली कहासुनौ के केस जिसमें शांति भंग के प्रकरण शामिल हैं एक ही तरीख में निपटा दिया जाए तो हल संभव है। इसी तरह से राजनीतिक प्रदर्शनों को लेकर दर्ज होने वाले मुकदमों के निस्तारण को भी कार्ययोजना तय करनी जरूरी है। इससे कम ग्रेडिटी के केस

का सहज निस्तारण संभव होगा और न्यायालयों का समय भी बचेगा।
देश में सबसे ज्यादा केस रेवेन्यू के हैं। गांवों में जमीन के बंटवारे या सीमा निर्धारण के लेखर देश की निचली अदालतों में अंबाला हुआ है। इस तरह के मुकदमों के निपटारों में ग्राम पंचायत की कहीं कोई भूमिका तय है तो शायद कोई स्थाई समाधान संभव हो सकता है। पंच परमेश्वर की अधिधारण कहीं इस तरह के मुकदमों के निपटारों में अधिक सहायक हो सकती है। रेवेन्यू के मुकदमों अपील दर अपील पीढ़ी दर पीढ़ी चलते रहते हैं और मामूली सा सीमा विवाद लंबी कानूनी प्रक्रिया में उलझ कर रह जाता है।
इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारे देश की अदालतों में ब्रिटेन आदि की अदालतों से कम गुना अधिक केस एक दिन में सुने जाते हैं। केन्द्रीय कानून मंत्री किरेन रिज्जु की माने तो

द्रौपदी मुर्मू : समाज के अंतिम छोर की प्रतिभा



भारतीय जनता पार्टी ने समर्थन देकर अभी तक तीन राष्ट्रपति बनाने में सफलता प्राप्त की है। जिसमें भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी के शासन काल में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और वर्तमान केन्द्र सरकार के समय पहले रामनाथ कोविन्द और अब द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति के लिए निर्वाचित हो चुकी

हैं। राजनीतिक गुणा- भाग कैसे लगाए जाते हैं, यह भारतीय जनता पार्टी के नेताओं से अच्छा शायद की कोई जानता हो। भाजपा ने पहले राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए राजनजातीय समाज की द्रौपदी मुर्मू का नाम चयन करके देश के राजनीतिक दलों को चौंकाया, वहीं कई राजनीतिक दलों के लिए एक ऐसी

विवशता पैदा कर दी, जिससे उन्हें यह तय करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा कि अब क्या किया जाए। अब भाजपा ने उपराष्ट्रपति पद के लिए भी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ के नाम का चयन करके फिर से चौकाने वाला कार्य किया है।

उल्लेखनीय है कि अभी तक

जैन नामों पर कयास लगाए जा रहे थे उनमें से कोई भी नाम नहीं आया। अंग्रेज इस सामाजिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यही कहा जाएगा कि अभी तक जनजातीय वर्ग से कोई भी व्यक्ति या महिला राष्ट्रपति पद तक नहीं पहुंचा है, इसी प्रकार से जाट समुदाय का व्यक्ति उपराष्ट्रपति पद तक नहीं पहुंचा।

भली भाँति जानते हैं कि स्वतंत्रता के बाद था का चित्र ऐसा ही दिखाई देता था कि प्रथममंत्री का बेटा प्रधानमंत्री, कलेक्टर का बेटा कलेक्टर और शासकीय बड़े पदों के पद बैठे अधिकारियों का बेटा उसी लाइन पर चलता था, यह उसकी व्यक्तिगत योग्यता न होकर सामाजिक पारिवारिक पृष्ठभूमि से मिली विरासत के आधार पर ही तय किया जाता था। इससे देश में उन प्रतिभाओं को बहुत पड़े किया गया जो वास्तव में कुछ पाने का अधिकार रखती थी। यह बात सही है कि जनजातीय समाज की कोई राजनीतिक पहुंच नहीं थी, इसका आशय यही है कि पूर्व में राजनीतिक पहुंच वाले व्यक्ति ही उच्च पदों पर पहुंच पाते थे और यह व्यक्ति सरकारी सम्मानों को प्राप्त करने में सफल हो जाते थे, लेकिन केंद्र में मोदी सरकार आने के

बाद इसमें व्यापक परिवर्तन दिखने लगा है। हम यह भी जानते हैं कि विगत कुछ वर्षों से सरकार की ओर से हमें दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मान में अब वह व्यक्ति नहीं आते जो सरकारी कृपा पर जीवित रहते थे। फिर जनकी राजनीतिक पहुंच थी, बल्कि वह सम्मान वहां तक पहुंचे हैं, जिन्होंने धरातल पर काम किया है, जो समाज के हित के लिए काम कर रहे हैं। ऐसे समाज की ओर सरकार की दृष्टि जाना (निश्चित रूप से) यह सिद्ध करता है कि देश उचिततः दिशा की ओर कदम बढ़ा रहा है। देश की 70 वर्षों की राजनीतिक अभ्ययन किया जाए तो यही कहा जा सकेगा। समाज मुश्किल है कि स्वतंत्रता के बाद समाज के अंतिम छोर पर रहने वाले व्यक्ति या जो विकास होना चाहिए था, वह इससे वंचित रहा। स्वतंत्रता केवल राजनीतिक शक्तियों और पैसों वालों के यहां कैद होकर रह गई थी। वास्तव में देखा जाए तो आजादी केवल उन्हीं की प्रतीति थी जो सरकार के आसपास था। परिवेश में और वनवासी अंचलों में निवास करने वाला समाज इस आजादी की किरण से बहुत पीछे रहा, उसे पता ही नहीं था कि आजादी क्या होती है। आज केन्द्र की

सरकार ने आजादी की उस किरण को समाज के अंतिम छोर पर पहुँचाने का कार्य किया है जो निश्चित ही स्वागत योग्य है। इसी प्रकार एक बात और मेरे मन में आ रही है। एक बार राष्ट्रपति भुवनेश्वर को लेकर एक प्रसिद्ध समाचार चैनल पर बहस चल रही थी। उसमें एक पक्ष द्वारा यह प्रश्न किया गया कि दोनों व्यक्ति यानी कि द्रोपदी मुर्मू और यशवंत सिन्हा में से योग्यता के आधार पर किस को राष्ट्रपति होना चाहिए? यहाँ पर किया गया यह प्रश्न प्रथम दृष्ट्या इसलिए भी गलत है, क्योंकि योग्यता केवल कागजों के आधार पर नहीं आती, उसे अनुभव द्वारा भी प्राप्त किया जा सकता है। एक अनपढ़ व्यक्ति भी कुशल प्रबंधक हो सकता है और एक पढ़ा-लिखा व्यक्ति भी गलत दिशा की ओर जा सकता है। इसलिए यह प्रश्न किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। आप केवल आदिवासी समाज की महिला के नाते उसे अयोग्य करार दें, यह सोच का तरीका ठीक नहीं है। वनवासी समाज में भी कई प्रतिभाएँ हैं। वह पुरे मन से भारत की रीति-रिवाजों का स्वतंत्र भी करते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत की जासूसी करने श्रीलंका आ रहा चीन का यूआन वांग-5 जहाज हंबनटोटा बंदरगाह पर 11 अगस्त से डालेगा लंगर

कोलंबो : चीन का शक्तिशाली जहाज यूआन वांग-5 श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर 11 अगस्त से लंगर डालेगा। आर्थिक बदहाली से गुजर रहे श्रीलंका ने इसे ड्रैगन को 99 साल की लीज पर दे दिया है। जानकारों के अनुसार चीन का वैज्ञानिक शोध वाला जहाज शोध की बजाय भारत की जासूसी के लिए लाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीन का यूआन वांग-5 11 अगस्त से हंबनटोटा बंदरगाह पर लंगर डालेगा, जो एक सप्ताह तक अरब सागर में रहेगा। चीनी जासूसी जहाज के आने की खबर से भारत और अमेरिका की चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह चीनी जहाज सैटलाइट को कंट्रोल कर सकता है, अगस्त और सितंबर के दौरान यह जहाज हिंद महासागर के पश्चिमोत्तर में समुद्र के अंदर शोध कार्य करेगा।



कारगिल विजय दिवस समारोह में शामिल हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, कहा-

जख़रत पड़ने पर सैन्य अभियान चलाने से गुरेज नहीं करेगी सेना

●सेना, अर्धसैनिक बल व पुलिस के शहीदों के परिवारों को किया सम्मानित

बलिदानियों के परिजनों को सम्मान देना जनता की राष्ट्रीय जिम्मेदारी

रक्षा मंत्री ने बलिदानी वीरों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि बलिदानियों के परिजनों को पूरा सम्मान देना जनता की राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। चीन व पाकिस्तान से लड़े गए युद्धों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत विश्व का एक ताकतवर देश है। कोई भी दुश्मन हमारी ओर अब आंख उठाकर नहीं देख सकता है। उन्होंने कहा कि चीन ने कई ऐसी गतिविधियां की हैं, जिससे साबित हुआ है कि उसकी नीयत ठीक नहीं है। उन्होंने सवेत करते हुए कहा कि भारतीय सेना पहले भी कई आपरेशन कर चुकी है और भविष्य में कोई जरूरत पड़ी तो सैन्य अभियान चलाए जाएंगे।



पीओके भारत का हिस्सा था, है और रहेगा

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर पर भारत की संसद में प्रस्ताव पारित हुआ था। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत का हिस्सा था, भारत का हिस्सा है और रहेगा। उन्होंने कहा कि ये कैसा हो सकता है कि शिव के स्वरूप बाबा अमरनाथ हमारे यहां हो और मां शारदा शक्ति स्वरूपा नियंत्रण रेखा के पार हो। उन्होंने पाकिस्तान को इशारों में कहा कि गुलाम कश्मीर भारत का अटूट अंग है।

नूपुर माफी मांग सकती हैं तो ओवैसी क्यों नहीं : राज ठाकरे

मुंबई : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएएस) प्रमुख राज ठाकरे ने कहा है कि मोहम्मद पैगंबर के बारे में अपने कथित बयान पर नूपुर शर्मा ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। लेकिन हिन्दू देवी-देवताओं के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल करने वाले अकबरुद्दीन ओवैसी ने आज तक माफी नहीं मांगी है। मनसे प्रमुख ने इसे डबल स्टैंडर्ड करार दिया है।

एमएनएस प्रमुख ने एक चैनल को लिए साक्षात्कार में कहा है कि भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के बयान की काफी आलोचना हुई। लोग सड़कों पर उतर आए। नूपुर

शर्मा को माफी मांगने की कोई जरूरत नहीं थी। नूपुर ने वही कहा जो उन्होंने किसी से सुन रखा था। अकबरुद्दीन ओवैसी ने हिंदू देवी-देवताओं पर निचले स्तर का बयान दिया था। ठाकरे ने सवाल किया है कि क्या ओवैसी ने कभी अपने बयान के लिए माफी मांगी?

राज ठाकरे ने मुस्लिम देशों से पूछा है कि ओवैसी के आपत्तिजनक बयान पर क्या उन्हें अफसोस है? हिंदुत्व पर पूछे गए सवाल के जवाब में ठाकरे ने कहा कि मैं हिन्दू हूं। मेरे धर्म के खिलाफ कोई कृत्य करेगा तो उसका हिन्दू के नाते जवाब दूंगा।

महाराष्ट्र में 23 दिन में 89 किसानों ने की आत्महत्या
मुंबई : महाराष्ट्र में पिछले 23 दिनों में 89 किसानों ने आत्महत्या की है। इनमें बीड में 13, चवतमाल में 12, परभणी 6, जलगਾਂव 6, जालना 5, बुलढाना 5, उस्मानाबाद 5, अमरावती 4, वाशिम 4, अकोला 3, नांदेड 2 , भंडारा-चंद्रपुर 2 और औरंगाबाद में 22 किसानों ने जान दी। इतने बड़े पैमाने पर किसानों के आत्महत्या करने से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की चुनौती बढ़ गई है।

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद एकनाथ शिंदे ने ऐलान किया था कि श्रमिकों को हुरी से नाहरलगुन एयरलिफ्ट किया था। श्रमिकों को नाहरलगुन के टोमो रिवा इस्टीट्यूट ऑफ़ हेल्थ एंड मेडिकल कार्स (ट्रिप्स) में भर्ती कराया गया है। ट्रिप्स के निदेशक डॉ. माजी जिनी ने

बीआरओ के लापता 19 श्रमिकों में से तीन की मौत, आठ को बचाया

इटानगर : अरुणाचल प्रदेश के कुरुंग कुमे जिला के हुरी में सड़क निर्माण स्थल से लापता 19 सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के श्रमिकों में से तीन की मौत हो गई है। अब तक आठ श्रमिकों को बचाया गया है और उनके स्वास्थ्य की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। यह जानकारी कुरुंग कुमे जिला प्रशासन ने दी है। भारतीय वायुसेना ने बेहतर इलाज के लिए शनिवार को पांच श्रमिकों को हुरी से नाहरलगुन एयरलिफ्ट किया था। श्रमिकों को नाहरलगुन के टोमो रिवा इस्टीट्यूट ऑफ़ हेल्थ एंड मेडिकल कार्स (ट्रिप्स) में भर्ती कराया गया है। ट्रिप्स के निदेशक डॉ. माजी जिनी ने

बताया कि बचाए गए श्रमिकों का उपचार चल रहा है। जिला प्रशासन के अनुसार शनिवार को इन तीन श्रमिकों को हवाई मार्ग से नहीं ले जाया जा सका। गंभीर स्वास्थ्य स्थिति के चलते पीडित श्रमिकों को कोलेरिया के जिला अस्पताल ले जाया गया है।

कुरुंग कुमे जिला उपायुक्त निगी बगिया ने बताया कि हुरी और फुरक के बीच फुरक नदी के पास जंगल से आठ श्रमिकों को बचाया गया। उपायुक्त के अनुसार जिन तीन मजदूरों की मौत हुई है, उनकी पहचान हिकमत अली (38), फरिजुल हक (18) और वाजद अली (19) के रूप में हुई है।

स्मृति ईरानी ने पवन खेड़ा, जयराम रमेश को भेजा कानूनी नोटिस

नयी दिल्ली : केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने रविवार को कांग्रेस और उसके नेताओं को उनकी 18 साल की बेटी पर की गई टिप्पणियों को लेकर कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें उनसे लिखित तौर पर बिना शर्त माफी मांगने और आरोपों को वापस लेने को कहा गया है। यह कानूनी नोटिस कांग्रेस नेता पवन खेड़ा, जयराम रमेश, नेट्टा डिंसूजा और पार्टी को भेजा गया है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि उक्त व्यक्तियों ने ईरानी और उनके परिवार को छवि धूमिल करने के उद्देश्य से झूठे आरोप लगाए हैं। उल्लेखनीय है कि एक आरटीआई के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि स्मृति ईरानी की बेटी गोवा में एक मृत व्यक्ति के नाम पर लिए गए लाइसेंस से बार चला रही हैं। इसको लेकर कांग्रेस नेताओं ने प्रेसवार्ता भी की थी।

एक नजर

प्रधानमंत्री आज हरमोहन यादव की 10वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम को करेंगे संबोधित

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार 25 जुलाई को शाम 4:30 बजे स्वर्गीय हरमोहन सिंह यादव की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। पीएमओ के अनुसार हरमोहन सिंह यादव (18 अक्टूबर, 1921 – 25 जुलाई, 2012) एक महान व्यक्ति और यादव समुदाय के नेता थे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की भागीदारी दिवंगत नेता के किसानों, पिछड़े वर्गों और समाज के अन्य वर्गों के लिए योगदान की मान्यता में है। हरमोहन सिंह यादव लंबे समय तक राजनीति में सक्रिय रहे और उन्होंने एमएलसी, विधायक, राज्यसभा सदस्य और 'अखिल भारतीय यादव महासभा' के अध्यक्ष के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया। उन्होंने अपने बेटे सुखराम सिंह की मदद से कानपुर और उसके आसपास कई शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1984 के सिख विशेषी दंगों के दौरान कई सिखों के जीवन की रक्षा करने में वीरता के प्रदर्शन के लिए हरमोहन सिंह यादव को 1991 में शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया था।

कुलदीप बिश्नोई ने नड्डा से की मुलाकात



नयी दिल्ली : कांग्रेस पार्टी से निष्कासित हरियाणा के नेता कुलदीप बिश्नोई ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से यहां मुलाकात की। कुलदीप बिश्नोई ने टीवी कर इसकी जानकारी दी और अपनी तस्वीरें साझा की। उन्होंने कहा कि नड्डा जी की सरलता और उनका सहज व्यक्तित्व उन्हें सच्चे जनसेवक की पहचान दिलाता है। उनके साथ आत्मीय भेट के दौरान वर्तमान राजनीतिक विषय पर चर्चा हुई। एक अन्य टीवी में बिश्नोई ने कहा कि उन्होंने हरियाणा के ओजस्वी और मिलनसार मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से शिधावार भेंट की और प्रदेश की वर्तमान राजनीति और हरियाणा के विकास कार्य को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा में कौंस वोटिंग करने के चलते आदमपुर से विधायक को पिछले महीने कांग्रेस ने पार्टी के सभी पदों से हटा दिया था। कांग्रेस पार्टी से अलग होने का बाद से लगातार बिश्नोई भाजपा के नजदीक जा रहे हैं और पार्टी नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं।

1, 52,200 हुई कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या

नयी दिल्ली : देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) के 2100 सक्रिय मामले सामने आये जिससे इसकी संख्या बढ़कर 1,52, 200 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रविवार को यहां बताया कि सुबह सात बजे तक 201.99 करोड़ टीके टिये जा चुके हैं, इनमें पिछले 24 घंटे में दिए 2883489 टीके भी शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में कोविड-19 संक्रमण के 20279 नए मामले सामने आने से कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 43888755 हो गयी है। देश में 2100 सक्रिय मामले बढ़ने इनकी कुल संख्या 152200 तक पहुंच गयी है। देश में कोरोना संक्रमण के नए मामले सामने आने के साथ साप्ताहिक दर 4.46 प्रतिशत हो गयी है, जबकि दैनिक दैनिक संक्रमण 5.29 फीसदी है। वहीं रिकवरी दर 98.45 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में 383657 कोविड परीक्षण किये गये हैं और अब तक कुल 87.25 करोड़ कोविड परीक्षण किए जा चुके हैं।

सुदर्शन न्यूज चैनल के संचालक के खिलाफ केस दर्ज

हैदराबाद : हैदराबाद की साइबर अपराध पुलिस ने सुदर्शन चैनल के संचालक सुरेश चव्हाण के खिलाफ मामला दर्ज किया। हुसैनी अलम निवासी निजीकर्मी मो इरफान खान की शिकायत के आधार पर यह केस दर्ज किया गया है। साइबर अपराध पुलिस विभाग के एसपीपी कैप्टीएम प्रसाद ने बताया कि शिकायतकर्ता ने सुदर्शन चैनल पर एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन औवैसी की फोटो से छेड़छाड़ कर उनके माथे पर तिलक लगाकर उन्हें हनुमान चालीसा पढ़ते दिखाया गया है। शिकायतकर्ता इरफान खान ने आरोप लगाया कि सुदर्शन चैनल इस प्रकार के आपत्तिजनक वीडियो दिखाकर धार्मिक सद्भावना को भंग करने का प्रयास कर रहा है। प्रसाद ने बताया कि शिकायत के आधार पर साइबर अपराध पुलिस ने सुदर्शन चैनल के संचालक सुरेश चव्हाणके के खिलाफ आईपीसी की धारा 153ए, 469 और 1509 के तहत मामले दर्ज किया गया है।

दिल्ली में मंकीपॉक्स का पहला मामला आया सामने

नयी दिल्ली : राजधानी दिल्ली में रविवार को मंकीपॉक्स का पहला मामला प्रकाश में आया है। मरीज वर्तमान में लोकनायक जय प्रकाश अस्पताल में भर्ती है। मरीज का विदेश यात्रा इतिहास नहीं है। आधिकारिक सूत्रों ने मंकीपॉक्स मामले की पुष्टि की है। पश्चिमी दिल्ली के 31 वर्षीय निवासी मरीज को कुछ दिन पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसके लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईडी) में शनिवार को जांच के लिए भेजे गये थे। उसका सैलप पैजिटिव पाया गया है। देश में मंकीपॉक्स का यह चौथा मामला है। इससे पहले तीन मामले केरल में हैं जिनका विदेश यात्रा से जुड़ा इतिहास है। जानकारी के अनुसार दिल्ली में भर्ती मरीज मनाली (हिमाचल प्रदेश) में एक पार्टी में शामिल हुआ था। उसके बाद बुधवार और त्वा के घायों के चलते उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शनिवार को मंकीपॉक्स को अंतरराष्ट्रीय चिंता का वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। डब्ल्यूएचओ की दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की क्षेत्रीय निदेशक ने रविवार को सदस्य देशों से निगरानी और मंकीपॉक्स से जुड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत करने का आग्रह किया है। क्षेत्रीय निदेशक का कहना है कि मंकीपॉक्स कई नए देशों में बढ़ी तेजी से फैल रहा है। यह चिंता का विषय है।

नेपाल की जमीन पर बाड़ लगा रहा चीन

काठमांडू : नेपाल की जमीन पर कच्चा करेन के बाद चीन ने अब नेपाल से लगती सीमा पर बिना किसी संज्ञा के ही बाड़ लगाना शुरू कर दिया है। नेपाल के गोरखा जिले के दाशगज्जा इलाके में सीमा पर चीन बाड़ लगा रहा है। चीन ने इसके साथ ही नेपाली लोगों के सीमा पर आने-जाने पर एकतरफा प्रतिबंध लगा दिया है। इससे पहले चीन ने नेपाल के हुमला जिले की जमीन पर कच्चा कर सैन्य चौकी स्थापित कर ली है। चीन का दावा है कि नेपाल उसका मित्र देश है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने नेपाल के हुमला में सीमा पर लगे पिलर के बाहर जाकर घाटों का निर्माण किया है जो नेपाल के इलाके में आता है। सीमा पर एकतरफा बाड़ लगाने की खबरों के आने के बाद अब नेपाल के सरकारी प्रवक्ता ने कहा है कि दोनों देशों ने 1414 किमी लंबी सीमा की संयुक्त जांच करने का फैसला किया है। चीन और नेपाल दोनों ही एक संयुक्त दम को तेनात करेंगे। यह दम सीमा पर लगे पिलर की जांच करेंगे। प्रवक्ता ने कहा कि दोनों ही पक्ष आपसी विचार को फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं। इससे पहले खुलासा हुआ था कि चीन ने गोरखा जिले में रुझला बॉर्डर प्वाइंट पर एक बाड़ लगा दी है। इसके बारे में नेपाली पक्ष को चीन ने कुछ भी नहीं बताया। वहीं चीन ने दावा किया कि दोनों ही पक्ष साल 1960 में ही सीमा विवाद को सुलझा चुके हैं।

राष्ट्रपति कोविंद ने राजघाट पर महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि



नयी दिल्ली : राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने रविवार को अपने कार्यकाल के अंतिम दिन राजघाट जाकर महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति अपना पद छोड़ने की पूर्व संध्या पर आज शाम राष्ट्र को संबोधित भी करेंगे।

राष्ट्रपति भवन के अनुसार राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने 25 जुलाई को देश के राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार छोड़ने से पहले आज राजघाट पर महात्मा गांधी की श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। राष्ट्रपति